उद्योगपति गौतम अडानी संकट में घिर गए हैं। इस बार उनके खिलाफ अमेरिका में रिश्वत और धोखाधड़ी के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। कॉन्ट्रैक्ट दिलाने के लिए भारतीय सरकारी अधिकारियों को 265 मिलियन डॉलर (करीब 2200 करोड़ रुपये) की रिश्वत दी।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक:197 दिनांक:22-11-2024 शुक्रवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

गौतम अडानी ने 2000 करोड़ का घोटाला किया, उन्हें तत्काल गिरफ्तार किया जाना चाहिए: राहुल गांधी

फिर विवादों में अडाणी समूह: सोलर एनर्जी कांट्रेक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को दी 2236 करोड़ की रिश्वत...

भतीजे सहित सात पर चलेगा अभियोग

फंसे अडानी...अमेरिका में वारंट जारी

-अमेरिकी न्याय विभाग के आरोपों को अदाणी समूह ने बताया निराधार, कहा- हरसंभव कानूनी सहारा लेंगे

-छोटा अपराध करने पर भी जेल हो जाती है, अडाणी 2000 करोड़ का घोटाला करके भी बाहर: राहुल

न्यूयार्क/नई दिल्ली(ईएमएस)। भारतीय अरबपति और अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी और उनके भतीजे सहित 8 लोगों पर अमेरिका में अपनी सौर ऊर्जा की कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड और एक अन्य फर्म को कॉन्ट्रेक्ट दिलाने के लिए भारतीय अधिकारियों को 265 मिलियन डॉलर, यानी करीब 2236 करोड़ रुपए की रिश्वत देने के मामले में अभियोग दर्ज कर वारंट जारी किया गया है। इस रिश्वत के लिए अडानी ने अमेरिका के निवेशकों को धोखा देते हुए उनके पैसों का दुरुपयोग किया। उधर, अदाणी समूह ने अमेरिकी न्याय विभाग और अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग की ओर से अदाणी ग्रीन के निदेशकों के खिलाफ लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। कंपनी के बयान के मुताबिक, सभी आरोप निराधार हैं। अदाणी समूह ने कहा कि स्वयं अमेरिकी न्याय विभाग ने कहा है कि अभियोग में आरोप हैं और प्रतिवादियों को तब तक निर्दोष माना जाता है, जब तक कि वे दोषी साबित न हो जाएं। मामले में हरसंभव कानूनी सहारा लिया जाएगा। वहीं राहुल गांधी ने कहा कि अडाणी जी 2 हजार करोड़ रुपए का स्कैम कर रहे हैं और बाहर घूम रहे हैं, क्योंकि पीएम मोदी उन्हें प्रोटेक्ट कर रहे हैं।

अमेरिका में सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज कमिशन ने इस मामले में गौतम अडानी और उनके भतीजे सागर के साथ ही अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड एवं एक अन्य फर्म एज्योर पावर ग्लोबल लिमिटेड के अधिकारियों पर आरोप लगाए हैं कि इन्होंने अपनी रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी को कॉन्ट्रेक्ट दिलाने और भारत की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा संयंत्र परियोजना विकसित करने के लिए भारतीय अधिकारियों को लगभग 265 मिलियन डॉलर, यानी 2236 करोड़ रुपए की रिश्वत 2020 से 2024 के बीच दी।

अमेरिकी निवेशकों का पैसा, इसलिए वहां केस

अडाणी पर आरोप है कि रिश्वत के इन पैसों को जुटाने के लिए उन्होंने अमेरिकी निवेशकों और बैंकों से झूठ बोला। अमेरिका में मामला इसलिए दर्ज हुआ, क्योंकि प्रोजेक्ट में अमेरिका के इन्वेस्टर्स का पैसा लगा था और अमेरिकी कानून के तहत उस पैसे को रिश्वत के रूप में देना अपराध है।

600 मिलियन डालर का बांड रद्द करना पड़ा

अडानी के खिलाफ वारंट जारी होने के बाद अडानी ग्रुप ने अमेरिका में 600 मिलियन डॉलर का बांड रद्द कर दिया। अभियोग की खबर से कुछ घंटे पहले ही अडानी ग्रुप की एक इकाई ने 600 मिलियन डॉलर की पेशकश के लिए अमेरिकी कॉरपोरेट बांड बाजार में प्रवेश किया। इस पेशकश को 3 गुना से अधिक ओवरसब्सक्राइब किया गया। बाद में इन बांड को बेचना भी रद्द कर दिया गया। अडानी ने एक महीने पहले भी इसी तरह की पेशकश की थी, लेकिन ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, मूल्य निर्धारण को लेकर निवेशकों के विरोध के बाद उस पेशकश को स्थगित करना पड़ा।

कांट्रेक्ट से 2 अरब डॉलर का मुनाफा

अभियोजकों ने आरोप लगाया है कि इस कॉन्ट्रेक्ट के जरिए अडानी ग्रुप को 20 सालों में करीब 2 अरब डॉलर से ज्यादा का मुनाफा होने की उम्मीद थी। इस मुनाफे के लिए अमेरिका समेत अन्य देशों के निवेशकों और बैंकों से झूठ बोला गया। अभियोजकों ने यह दावा भी किया है कि अडानी ग्रीन एनर्जी के एक अन्य कार्यकारी, पूर्व सीईओ विनीत जैन ने कर्जदाताओं और इन्वेस्टर्स से अपने भ्रष्टाचार को छिपाकर 3 अरब डॉलर से अधिक का लोन और बांड जुटाए थे।

एनर्जी बिजनेस को मैनेज करते हैं सागर अडाणी

गौतम अडाणी के भतीजे, सागर ने ब्राउन यूनिवर्सिटी यूएस से इकोनॉमिक्स की डिग्री ली है। सागर 2015 में अडाणी ग्रुप में शामिल हुए। सागर, ग्रुप के एनर्जी बिजनेस और फाइनेंस को मैनेज करते हैं। वह रिन्यूएबल एनर्जी बिजनेस में फोकस करते हैं और 2030 तक कंपनी को दुनिया का सबसे बड़ा रिन्यूएबल एनर्जी प्रोडयूसर बनाने की योजना बना रहे हैं। अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के पास 20 गीगावाट से ज्यादा का क्लीन एनर्जी पोर्टफोलियो है, जिसमें देश के दक्षिणी राज्य तमिलनाडु में दुनिया के सबसे बड़े सौर ऊर्जा संयंत्रों में से एक शामिल है। अडाणी ग्रुप ने 2030 तक इस सेक्टर में देश की सबसे बड़ी कंपनी बनने का लक्ष्य रखा है। कंपनी का मार्केट कैप 1.85 लाख करोड़ रुपए है।

कांग्रेस ने जेपीसी से जांच की मांग की

अमेरिका में रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के आरोप के बाद कांग्रेस ने गुरुवार को जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी से जांच की मांग की है। अमेरिकी अटॉर्नी कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा -अमेरिकी अटॉर्नी ऑफिस की ओर से अडाणी और उनसे जुड़े अन्य लोगों पर गंभीर आरोप लगाना उस मांग को सही ठहराता है जो कांग्रेस जनवरी 2023 से कर रही है।

गौतम अडानी ने 2000 करोड़ का घोटाला किया, उन्हें तत्काल गिरफ्तार किया जाना चाहिए: राहुल गांधी

नई दिल्ली लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उद्योगपति गौतम अडानी के खिलाफ अमेरिकी अभियोजकों द्वारा लगाए गए आरोपों को लेकर बृहस्पतिवार को कहा कि यहां अडानी को तत्काल गिरफ्तार किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्होंने 2000 करोड़ का घोटाला किया है। यहां छोटे अपराधी को तुरंत जेल में डाल दिया जाता है, लेकिन अडानी इतना बड़ा घोटाला करने के बाद भी खुले में घूम रहे हैं और जेल से बाहर हैं। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में यह दावा भी किया कि गौतम अडानी की गिरफ्तारी नहीं होगी क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इनके साथ मिले हुए हैं।

अडानी ने दोनों देशों में कानूनों को तोड़ा- राहुल गांधी

राहुल गांधी ने कहा, यह बहुत स्पष्ट हो गया है कि अडानी ने अमेरिका और भारत दोनों देशों में कानूनों को तोड़ा। मुझे हैरानी है कि अडानी खुले क्यों घूम रहे हैं, जबकि कई मामलों में मुख्यमंत्रियों तक को गिरफ्तार कर लिया गया।ठ उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी अडानी को संरक्षण दे रहे है और अडानी के साथ अपराध में संलिप्त हैं। राहुल गांधी ने कहा, ठअडानी को गिरफ्तार किया जाए, उनकी जांच और पूछताछ की जाए। इसमें जो लोग भी शामिल हैं उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाए।ठ

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह दावा भी किया कि मामले की जांच होने पर आखिर में प्रधानमंत्री का नाम सामने आएगा। उन्होंने कहा कि संसद के शीतकालीन सत्र में विपक्ष संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन के लिए मांग जारी रखेगा। अमेरिकी अभियोजकों ने अडानी और उनके भतीजे सागर अडानी पर आरोप लगाया है कि उन्होंने भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देकर सोलर एनर्जी कॉन्ट्रैक्ट हासिल किए। इस कथित योजना के तहत 2020 से 2024 तक 25 करोड़ डॉलर (करीब 2236 करोड़ रुपये) की रिश्वत दी गई।

अडानी पर आरोप हैं कि उन्होंने भारतीय उपमहाद्वीप में सौर परियोजनाओं के अनुबंध और वित्त पोषण हासिल करने लिए बड़े पैमाने पर रिश्वत दी और यह बात उन्होंने अमेरिकी निवेशकों से छिपाई। अडानी के साथ जिन अन्य लोगों पर आरोप लगे हैं, उनमें उनके भतीजे और अडानी ग्रीन एनर्जी के कार्यकारी निदेशक सागर अडानी और कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी रहे विनीत जैन शामिल हैं।

सत्र में अडानी के मुददे को उठाएगा विपक्ष.......बीजेपी ने भी इंडिया गठबंधन को घेरने की कर ली तैयारी

बीजेपी ने पूछा....विरोधी दलों की सरकारों ने रिश्वत देने से क्यों नहीं रोका

नई दिल्ली (ईएमएस)। संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होकर 20 दिसंबर तक चल सकता है शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले ही कांग्रेस को सवाल उठाने के लिए एक बड़ा मुद्दा मिल गया है। संसद के शीतकालीन सत्र में गौतम अडानी से जुड़े नए मुद्दे को लेकर बहस छिड़ने के पूरे आसार हैं। कांग्रेस और विपक्षी दल कारोबारी से जुड़े आरोपों और हाल ही में अमेरिकी अदालत में अभियोग के मुद्दे पर मोदी सरकार को घेरने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं, सत्ताधारी मोदी सरकार विपक्ष से मुकाबला करने के लिए खुद को तैयार कर रही है।

राहुल गांधी की अगुआई में कांग्रेस ने बीजेपी पर हमला न कर पीएम मोदी और गौतम अडानी के बीच घनिष्ठ संबंध का आरोप लगाया है और उनके रिश्ते को मोदानी करार दिया है। विपक्ष ने अमेरिकी अदालत की रिपोर्ट का सहारा लिया है, जिसमें अडानी पर सौलर एनर्जी कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए राज्य बिजली वितरण कंपनियों (एसडीसी) को रिश्वत देने का आरोप लगा है।

जवाब में भाजपा ने आरोपों की विश्वसनीयता को चुनौती दी है। बीजेपी ने विपक्ष की जवाबदेही पर सवाल उठाकर पलटवार किया है। छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश-जुलाई 2021 और फरवरी 2022 के बीच कथित रिश्वतखोरी की अवधि के दौरान विपक्षी दलों (बीजेडी, डीएमके, कांग्रेस और वाईएसआरसीपी) के शासन में थे।

वहीं भाजपा ने विपक्ष पर निशाना साधकर पूछा है कि उनकी सरकारों ने राज्य एजेंसियों को कथित रिश्वत देने की अनुमति क्यों दी। भाजपा नेता इस दौरान कांग्रेस और उसके सहयोगियों से उनकी भूमिका पर जवाब मांग रहे हैं। बीजेपी ने इस बात पर जोर दिया है कि अमेरिकी अभियोग में केवल आरोप हैं, सिद्ध आरोप नहीं है। बीजेपी नेताओं ने भारतीय कंपनी पर हमला करने के लिए विदेशी रिपोर्ट पर विपक्ष के भरोसा करने पर चिंता जाहिर की है। बीजेपी का तर्क है कि अगर ये आरोप सच हैं, तब उन्हें भारतीय कानूनी ढांचे के अंदर संबोधित किया जाना चाहिए। उन्होंने समानताएं बताकर कहा कि भारतीय अदालतें इसी तरह भारत में भ्रष्ट आचरण के लिए अमेरिकी कंपनियों पर अभियोग लगा सकती हैं, जिससे यह सवाल उठता है कि क्या विदेशी सरकारें अपनी घरेलू राजनीति में हस्तक्षेप बर्दाश्त करेंगी।

इतना ही नहीं भाजपा ने रिपोर्ट के समय पर सवाल उठाया है। यह सुझाव देकर कि शीतकालीन सत्र से पहले सरकार को अस्थिर करने की राजनीतिक रूप से प्रेरित रणनीति का हिस्सा है।

आतंकियों ने पैसेंजर वैन पर बरसाईं गोलियां

खैबर पख्तूनख्वा में 38 लोगों की मौत

नई दिल्ली(ईएमएस)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आतंकी हमले की घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि इस टेररिस्ट अटैक में 38 लोगों की मौत हो गई है। ये हमला खैबर पख्तूनख्वा के डाउन कुर्रम इलाके में एक पैसेंजर वैन पर हुआ है। हमले में एक पुलिस अधिकारी और महिलाओं समेत दर्जनों लोग घायल भी हुए हैं।

इस हमले में 38 लोगों की मौत हुई है। पैसेंजर वैन जैसे ही लोअर कुर्रम के ओचुट काली और मंदुरी के पास से गुजरी, वहां पहले से घात लगाकर बैठे आतंकियों ने वैन पर अंधाधुंध गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। पैसेंजर वैन पाराचिनार से पेशावर जा रही थी। वहीं, पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने इस घटना की कड़ी निंदा की और मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

सिर्फ ब्रेकअप की वजह से पुरुष के खिलाफ नहीं हो सकता रेप केस

नई दिल्ली(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने एक युवक को राहत देते हुए कहा कि शादी का झांसा देकर बलात्कार करने के आरोप में आपराधिक मुकदमा नहीं चलाया जा सकता, अगर दोनों के बीच सहमति से संबंध बने थे और सिर्फ ब्रेकअप हुआ हो। कोर्ट ने कहा कि अगर किसी जोड़े के बीच सहमति से रिश्ते बनते हैं और वे शादी तक नहीं पहुंच पाते, तो ऐसे मामले में आपराधिक कार्रवाई नहीं की जा सकती।

यह मामला 2019 में एक महिला द्वारा युवक के खिलाफ रेप केस दर्ज कराने के बाद सामने आया था। इसके बाद युवक ने सुप्रीम कोर्ट से राहत की मांग की थी। इस मामले की सुनवाई जस्टिस बीवी नागरत्न और जस्टिस एन कोटेश्वर सिंह की बेंच कर रही थी। कोर्ट ने कहा कि जब रिश्ता शादी तक नहीं पहुंचता और यह केवल सहमति से बनता है, तो इसे आपराधिक मामला नहीं माना जा सकता।

देश में आर्थिक गतिविधियों में देखी जा रही सुस्ती: आरबीआई बुलेटिन

- निजी खपत में वृद्धि के कारण अर्थव्यवस्था में मजबूती दिखाई दे रही है

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय अर्थव्यवस्था में दूसरी तिमाही में देखी जा रही आर्थिक सुस्ती की बारीकीयों पर रोशनी डालने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुलेटिन में सूचना दी है। नवंबर माह का बुलेटिन प्रकाशित होने के साथ आरबीआई ने बताया कि निजी खपत में वृद्धि के कारण अर्थव्यवस्था में मजबूती दिखाई दे रही है। जानकारों के मुताबिक मध्यम अवधि का दृष्टिकोण तेजी का बना हुआ है क्योंकि वृहद आर्थिक बुनियाद की स्वाभाविक ताकत खुद को सुदृढ़ कर रही है। इस बुलेटिन में उच्चाधिकारियों ने भारत की रोजगार सृजन क्षमता की मजबूत होने की भविष्यवाणी की है। आर्बीआई द्वारा जारी बयान के अनुसार निजी निवेश कमजोर हो रहे हैं, हालांकि खरीफ और रबी फसलों में उत्तम उत्पादन के साथ कृषि क्षेत्र में उत्थान के संकेत हैं। व्यापारिक सेवा क्षेत्र में भी गतिशीलता बरकरार है और ईवी वाहनों के संचालन पर ध्यान दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, वित्तीय बाजारों में अनिश्चितता के बावजूद, आरबीआई उम्मीद जताता है कि विश्वसनीय स्थितियों का अनुमान लगाना संभव है। नए स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार के समृद्ध स्वरूप ने भी आर्थिक महसूस को चिंताजनक अवस्था से बाहर निकाला है। अधिकारियों का कहना है कि यह लेख उनके स्वयं के विचार हैं, और केंद्रीय बैंक का कोई संबंध नहीं है। गुरुवार को बाजारों की गतिविधियों का ध्यान खिंचने के लिए भविष्य का अनुमान गंभीरता से किया जा रहा है। इस अहम कुशलक्षेत्र में भारत के आर्थिक स्थिति की मजबूत दरारों में से एक है, जो आगे बढ़ने के लिए उत्तेजित करती है।

पीएमएलए मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जगन्नाथ मंदिर के पुजारी को दी अग्रिम जमानत

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने पीएमएलए मामले में जगन्नाथ मंदिर के एक पुजारी को अग्रिम जमानत दी है। पुजारी को 3 हफ्ते के भीतर आरबीआई में 20 लाख रुपए ब्याज सहित जमा करने की शर्त पर अग्रिम जमानत मिली है। याचिकाकर्ता राजकुमार दैतापति श्री जगन्नाथ मंदिर, पुरी, उड़ीसा के पीढ़ी दर पीढ़ी के पुजारी बताए गए हैं। ?उनके खिलाफ कुछ विदेशी नागरिकों ने एफआईआर दर्ज कराई थी, जिसके संबंध में पीएमएलए की कार्रवाई शुरू की गई है।

232,568 अमेरिकी डॉलर की धोखाधड़ी के अपराधों के लिए ये एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपी को विदेशी नागरिकों (शिकायतकर्ताओं) ने मामले की देखरेख करने और विदेशियों की ओर से समझौता करने और धन प्राप्त करने के लिए मध्यस्थ के रूप में कार्य करने के लिए पावर ऑफ अटॉर्नी दी थी।

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा, पक्षों के बीच हुए समझौते के अनुसार, अपीलकर्ता को विदेशी नागरिकों की ओर से 92 लाख रुपए मिलने थे, ?लेकिन अब तक उसने आरबीआई के पास केवल 80 लाख रुपए जमा किए हैं। ?बेंच ने इस शर्त पर अग्रिम जमानत देने पर सहमति जताई कि याचिकाकर्ता 20 लाख रुपये ब्याज समेत और आरबीआई में जमा कराएगा। इसके बाद शिकायतकर्ताओं को औपचारिकताओं के अनुपालन के बाद राशि भेजने की अनुमति दी जाएगी।

अदाणी को लगा एक और बड़ा झटका, केन्या ने एयरपोर्ट प्रोजेक्ट समेत 700 मिलियन डॉलर का डील किया रद्द

केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की है, जिसमें उन्होंने भारतीय कंपनी अडानी ग्रुप के साथ किए गए सभी समझौतों को रद्द करने की बात कही। इन समझौतों में बिजली ट्रांसमिशन और एयरपोर्ट विस्तार जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल थीं।

पावर ट्रांसमिशन डील रद्द

केन्या सरकार ने अडानी ग्रुप के साथ हुए 700 मिलियन डॉलर के पावर ट्रांसमिशन समझौते को रद्द कर दिया है। इस समझौते के तहत केन्या में बिजली के ट्रांसमिशन के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया जाना था, जो अब पूरी तरह से स्थगित कर दिया गया है।

एयरपोर्ट विस्तार डील रद्द

इसके अलावा, अडानी ग्रुप का 1.8 बिलियन डॉलर का प्रस्ताव भी रद्द कर दिया गया है, जो एक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के विस्तार के लिए था। यह प्रस्ताव केन्या के एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए था, जिसे अब केन्या सरकार ने रद्द कर दिया है।

केन्या का निर्णय

केन्या सरकार ने अडानी ग्रुप के साथ रद्द किए गए समझौतों के बारे में स्पष्ट किया कि ये फैसले कंपनी पर लगे आरोपों और संबंधित मुद्दों को ध्यान में रखते हुए लिए गए हैं। इस कदम से अडानी ग्रुप के अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स पर प्रभाव पड़ने की संभावना है, जो पहले से ही विवादों में घिर चुके हैं। यह स्थिति अडानी ग्रुप के लिए एक और झटका है, जो पहले से ही कई देशों में अपने प्रोजेक्ट्स और निवेशों को लेकर आलोचना का सामना कर रहा है।

रिश्वतखोरी के आरोप और केन्या सरकार का निर्णय

अडानी ग्रुप पर हाल ही में अमेरिका में रिश्वतखोरी के गंभीर आरोप लगे हैं, जिनके बाद केन्या सरकार ने अडानी के साथ किए गए बड़े समझौतों को रद्द करने का निर्णय लिया। केन्या सरकार ने अडानी ग्रुप के साथ ?700 मिलियन का पावर ट्रांसमिशन डील और ?1.8 बिलियन का एयरपोर्ट विस्तार प्रस्ताव रद्द कर दिया। केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो ने इस फैसले को पारदर्शिता और ईमानदारी के सिद्धांतों पर आधारित बताया।

बैंक से 13 करोड़ का सोना चोरी

वारंगल(ईएमएस)। तेलंगाना के वारंगल जिले में एक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक से 13.6 करोड़ रुपये मूल्य के 19 किलोग्राम से अधिक सोने के आभूषण चोरी हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि चोर रायपर्ती मंडल स्थित बैंक की शाखा में गैस कटर से खिडक़ी काटकर घुसे और मुख्य तिजोरी से करीब 19.5 किलोग्राम वजन के सोने के आभूषण चुराकर फरार हो गए। बैंक कर्मचारियों को मंगलवार को चोरी का पता चला और उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद मामला दर्ज किया गया। चोर इतने शातिर थे कि उन्होंने ना केवल सीसीटीवी को तोड़ दिया बल्कि डीवीआर भी अपने साथ ले गए।

मुस्लिम मतदाताओं को बंदूक की नोक पर वोट डालने से रोका, सपा सांसद ने की चुनाव फिर कराने की मांग

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश की 9 सीट पर हुए उपचुनाव में मतगणना 23 नवंबर को होनी है। इसके पहले ही उपचुनाव को रद्द करने की मांग उठी है। यह मांग मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी की ओर से की जा रही है। पहले मुरादाबाद की कुंदरकी सीट से सपा उम्मीदवार ने उपचुनाव को रद्द कर दोबारा कराने की मांग की। अब समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद प्रो. रामगोपाल यादव ने यूपी पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाकर दोबारा उपचुनाव अर्धसैनिक बलों की निगरानी में कराने की मांग कर दी है। सपा सांसद ने आरोप लगाया कि मीरापुर, कुंदरकी और सीसामऊ में मुस्लिम मतदाताओं को बंदूक की नोक पर वोट डालने से रोका गया है।

दरअसल, यूपी की सभी 9 सीट पर 20 नवंबर को वोटिंग हुई। तभी कई जगहों पर बवाल देखने को मिला। सपा और बीजेपी की ओर से चुनाव आयोग को कई शिकायतें भी की गई। वहीं, इन शिकायतों का संज्ञान लेकर चुनाव आयोग ने 5 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया है। अब इन सभी के बीच उपचुनाव को रद्द करने की मांग जोर पकड़ रही है। सपा इस लेकर लगातार मांग कर रही है। इस संबंध में सपा सांसद प्रो. यादव ने पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने उपचुनाव को रद्द कर दोबारा चुनाव कराने की मांग की है।

प्रो.यादव ने कहा कि बुधवार को उत्तर प्रदेश में संपन्न हुए उपचुनाव सपा और बीजेपी के बीच में नहीं था। यह चुनाव सपा और संबंधित क्षेत्रों के जिला अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों के बीच था। उन्होंने कहा कि जिस तरह का नंगा नाच बुधवार को पुलिस ने उपचुनावों में खासकर मीरापुर, कुन्दरकी, सीसामऊ और कटहरी में किया है। यह लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी है।

प्रो. यादव ने कहा कि इन क्षेत्रों में प्रशासन ने मर्यादाओं की सारी सीमाएं पार कर दीं हैं। सपा सांसद ने आरोप लगाया कि मीरापुर, कुंदरकी और सीसामऊ में मुस्लिम मतदाताओं को बंदूक की नोक पर मत डालने से रोका गया है। इसलिए, यह चुनाव रद्द कर दोबारा चुनाव अर्द्धसैनिक बलों की देखरेख में चुनाव कराया जाए। वहीं भारत निर्वाचन आयोग की ओर से बड़ा बयान सामने आया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि सभी सीट पर मतदान शांतिपूर्वक सम्पन्न होने की बात कही है। उन्होंने कहा कि वोटिंग के दौरान जिस स्थान से शिकायत मिली, वहां तत्काल ईवीएम और वीवीपैट को बदलने की कार्यवाही की गई है। साथ ही, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों से मिली शिकायत के आधार पर 5 पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है।

यूपी पुलिस कांस्टेबल लिखित परीक्षा में सफल 174316 अभ्यर्थि तैयार रखें ये सारे कागजात

लखनऊ (ईएमएस)। यूपी पुलिस कांस्टेबल लिखित परीक्षा में सफल हुए 174316 अभ्यर्थियों को अगले चरण डॉक्यूमेंट्स की वेरिफिकेशन और शारीरिक मानक परीक्षा (डीवी व पीएसटी) के लिए बुलाया जाएगा। डीवी और पीएसटी दिसंबर 2024 के तीसरे सप्ताह में प्रस्तावित है। डीवी व पीएसटी में सफल अभ्यर्थियों को शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) के लिए जनवरी माह के तीसरे सप्ताह में बुलाया जाएगा। जिन जिन डॉक्यूमेंट्स की वेरिफिकेशन होगी, उनकी ऑरिजनल

फोटो युक्त पहचान पत्र

ऑरिजनल फोटो युक्त पहचान पत्र और राजपत्रित अधिकारी द्वारा अटेस्टेड फोटो कॉपी। इसके साथ ही निवास प्रमाण पत्र। वहीं ऑरिजनल ओबीसी सर्टिफिकेट और राजपत्रित अधिकारी द्वारा अटेस्टेड फोटो कॉपी। ऑरिजनल कैटेगरी सर्टिफिकेट और राजपत्रित अधिकारी द्वारा अटेस्टेड फोटो कॉपी। ऑरिजनल कैटेगरी सर्टिफिकेट और राजपत्रित अधिकारी द्वारा अटेस्टेड फोटो कॉपी।

इसके साथ ही हाईस्कूल (10वीं) या समकक्ष- ऑरिजनल सर्टिफिकेट और मार्कशीट। ये दोनों की राजपत्रित अधिकारी द्वारा अटेस्टेड फोटो कॉपी। इसके साथ ही इंटरमीडिएट (12वीं) या समकक्ष ऑरिजनल सर्टिफिकेट और मार्कशीट।

दोनों की राजपत्रित अधिकारी द्वारा अटेस्टेड फोटो कॉपी।

कद काठी कितनी होनी चाहिए: यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती के लिए जनरल, ओबीसी और एससी वर्ग की न्यूनतम लंबाई 168 सेमी होनी चाहिए। इसके साथ उम्मीदवार का सीना बिना फुलाए 79 सेमी और फुलाकर 84 सेमी होना चाहिए। एससी वर्ग से आने वाले उम्मीदवारों की न्यूनतम लंबाई 160 सेमी निर्धारित है। इसके साथ सीना बिना फुलाए 77 सेमी एवं फुलाकर 82 सेमी होना चाहिए। महिला वर्ग के लिए कैंडिडेट्स के लिए न्यूनतम लंबाई 152 सेमी तय की गई है। वहीं एसटी वर्ग से आने वाली महिला उम्मीदवारों के लिए न्यूनतम लंबाई 147 सेमी निर्धारित है।

सुप्रीम कोर्ट ने सिख समुदाय का उपहास करने वाले चुटकुलों पर जनहित याचिका फिर से शुरू करने का आश्वासन दिया

नई दिल्ली (ईएमएस). सुप्रीम कोर्ट ने सिख समुदाय का उपहास करने वाले चुटकुलों पर जनहित याचिका को फिर से शुरू करने का आश्वासन दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ये बहुत ही गंभीर और संवेदनशील मुद्दा है, हम इस पर कार्रवाई करेंगे. उच्चतम न्यायलय ने याचिकाकर्ता से सिख निकायों, तख्तों से सुझाव एकत्र करने और अदालत में पेश करने के लिए कहा. कोर्ट ने 8 सप्ताह बाद मामले की सुनवाई करने पर सहमति जताई है. सुप्रीम कोर्ट ने हरविंदर चौधरी द्वारा दायर 9 साल पुरानी जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है. कोर्ट ने कहा है, हम सुनेंगे, देखेंगे कि क्या स्कूलों में बच्चों को संवेदनशील बनाया जा सकता है.''

सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया है कि जोक्स के जरिए सिख समुदाय को व्यापक रूप से निशाना बनाया गया है. चुटकुलों से सिख समुदाय को लगातार निशाना बनाया जा रहा है. यह काफी संवेदनशील मामला है.

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता हरविंदर चौधरी से सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समितियों, सिख सभाओं, तख्तों से इस संबंध में सुझाव मांगने और उन्हें संकलित करने, उन्हें समेकित करने और एक संकलन दाखिल करने को कहा. पीठ ने कहा कि मामले पर 8 सप्ताह बाद सुनवाई की जाएगी. याचिकाकर्ता हरविंदर चौधरी ने सुनवाई के दौरान कहा. कोर्ट ने बताया कि 2 अंतरिम आवेदन हैं. याचिकाकर्ता ने कोर्ट में कहा कि महिलाओं को उनके पहनावे के लिए उपहास किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि बच्चों को स्कूल के साथी धमका रहे हैं, हम विचार-विहीनता से पीड़ित हैं. कुछ महिलाएं मेरे पास आईं और कहा, हम सिख पोशाक में हैं...पगड़ी और सफेद सूट पहने हुए हैं...हमारा उपहास किया जा रहा है. हमारी शिकायतें अदालत को दिए गए सुझावों में नहीं हैं. एक घटना में, एक लड़के ने यातना के कारण आत्महत्या कर ली थी.

बस पलटी, 6 की मौत,12 घायल

हजारीबाग(ईएमएस)। हजारीबाग में गुरुवार सुबह कोलकाता से पटना जा रही यात्रियों से भरी बस पलट गई। हादसे में 6 पैसेंजर्स की मौत हो गई। जबकि, 11 लोग जख्मी हो गए। इनमें से 5 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक यात्री ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। सभी कोलकाता से पटना जा रहे थे। मरने वालों में 4 यात्री पटना के थे। हादसा बरकञ के गोरहर थाना क्षेत्र में हुआ। बताया जा रहा है कि बस की स्पीड ज्यादा थी। ड्राइवर को झपकी लग गई। अचानक सामने आए गड्डे को बचाने के दौरान बस पलट गई। दुर्घटनाग्रस्त बस का नाम वैशाली है। ज्यादातर लोग बस के अंदर दब गए थे, जिसकी वजह से उनकी मौत हुई। सभी घायलों को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हजारीबाग में

हिमाचल के बाद राजस्थान को भी झटका, पटियाला हाउस कोर्ट ने बीकानेर हाउस को अटैच करने का आदेश दिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। हिमाचल के बाद राजस्थान को भी कोर्ट से झटका लगा है। पटियाला हाउस कोर्ट ने दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस को भी अटैच करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने राजस्थान की नोखा नगर पालिका और एनवायरो इन्फ्रा इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच हुए मध्यस्थता समझौते का पालन नहीं करने पर यह आदेश जारी किया है।

दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में कमर्शियल कोर्ट की जज विद्या प्रकाश की बेंच ने अपने आदेश में कहा कि 21 जनवरी 2020 को एनवायरो इन्फ्रा इंजीनियर्स के बीच विवाद के बाद राजस्थान की नोखा नगर पालिका को 50,31,512 लाख रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया गया था। मगर इसके बावजूद भी नगर पालिका ने कंपनी को इसका भुगतान नहीं किया।

मामले में अगली सुनवाई 29 नवंबर को होगी। कोर्ट ने नोखा नगर पालिका प्रतिनिधि को उस दिन अदालत में पेश होने का आदेश दिया है।

इससे पहले हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने दिल्ली स्थित हिमाचल भवन को कुर्क करने का आदेश जारी किया था। कांग्रेस के नेतृत्व वाली सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार के लगभग 150 करोड़ रुपये का बिजली बकाया भुगतान करने में विफल रहने पर यह आदेश जारी किया था।

दुश्मन के ठिकानों को तबाह करेंगे रोबोटिक डॉग

-पहाड़ से लेकर पानी तक में रहेंगे एक्टिव, -40 से +55 डिग्री तापमान में भी करेंगे मुकाबला

जैसलमेर(ईएमएस)। दुश्मनों से लोहा लेने में भारतीय सेना का साथ अब रोबोटिक डॉग भी देगा। आदेश मिलते ही दुश्मनों पर टूट पड़ेगा। फायरिंग से लेकर दुश्मनों की हरकतों पर नजर रखने में यह हमारे सैनिकों के कंधा से कंधा मिलाकर युद्ध क्षेत्र में सक्रिय रहेगा। मात्र एक घंटे के चार्ज में लगातार 10 घंटे तक काम करने की इसमें क्षमता है। पहाड़, पानी, जंगल... हर इलाके में इसकी मारक क्षमता जोरदार होगी। जैसलमेर के पोकरण फायरिंग रेंज में रोबोटिक डॉग ने भारतीय सेना की बैटल एक्स डिवीजन के साथ अभ्यास किया है। 14 से 21 नवंबर तक चले इस अभ्यास के दौरान सेना के जवान भी इसकी खासियत से रूबरू हुए। भारतीय सेना में हाल ही में रोबोटिक मल्टी-यूटिलिटी लेग्ड इक्विपमेंट यानि रोबोटिक डॉग शामिल किए गए हैं। माना जा रहा है कि आधुनिक तकनीक से बने इस रिमोट वाले डॉग के साथ ट्रेनिंग से सेना की ताकत में और इजाफा होगा।

भारतीय सेना की बैटल एक्स डिवीजन की इकाइयों ने इस आधुनिक डॉग के साथ दुश्मन को खोजने और उसे खत्म करने के अभ्यास को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

भारतीय सेना की ताकत में इजाफा

इसके अलावा ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सहायता और परिवहन में सुधार के लिए लॉजिस्टिक्स ड्रोन का परीक्षण किया जा रहा है। हाल ही में भारतीय सेना ने बॉर्डर से लगे इलाकों में (विशेषकर ऊंचाई वाले क्षेत्रों में) उपयोग के लिए 100 रोबोटिक डॉग को शामिल किया है।

थर्मल कैमरों और रडार से लैस

रोबोटिक डॉग्स थर्मल कैमरों और रडार से लैस हैं। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसकी डिजाइन है। यह बर्फ, रेगिस्तान, ऊबड़-खाबड़ जमीन, ऊंची सीढ़ियों यहां तक कि पहाड़ी इलाकों में हर बाधा को पार करने में सक्षम बनाता है। रोबोटिक डॉग जवानों को किसी भी नुकसान से बचाते हुए दुश्मन के ठिकानों पर गोलीबारी करने में भी सक्षम है।

10 किमी दूर से कर सकेंगे ऑपरेट

म्यूल डॉग 1 मीटर से 10 किमी की रेंज तक ऑपरेट किया जा सकता है। वाई-फाई या लॉन्ग टर्म इवोल्यूशन यानी एलटीई पर भी इस्तेमाल किया जा सकता है। छोटी दूरी के लिए, वाई-फाई का उपयोग किया जा सकता है, जबकि 4जी/एलटीई का उपयोग 10 किमी तक की दूरी के लिए किया जा सकता है। इसमें कैमरा लगा होता है जो 360 डिग्री तक घूम सकेगा।

रोबोटिक डॉग्स सेंसर्स के माध्यम से काम करते हैं। इनमें एक रिमोट कंट्रोल यूनिट होती है, जिससे इनको मॉनिटर किया जाता है। ये रोबोटिक डॉग्स जरूरी सामान की सेना तक आपूर्ति करेंगे। इन रोबोटिक डॉग्स में हाई रिजॉल्यूशन वाले कैमरे और सेंसर लगे होते हैं, जो छुपे हुए दुश्मन को भी खोज निकालेंगे। रियल टाइम डाटा देंगे। इनके जरिए सेना दुश्मन की हरकतों पर नजर रखेगी। चीन ने पहले ही अपने सैन्य अभियानों में रोबोट डॉग्स को शामिल कर लिया है। अब भारतीय सेना ने भी अपनी ताकत बढ़ाने के लिए ऐसे रोबोटिक डॉग्स को साथ लिया है। जाहिर है इससे भारतीय सेना की ताकत में इजाफा होगा।

50 सैनिकों ने 10 रोबोटिक डॉग्स के साथ किया अभ्यास

सैन्य सूत्रों के अनुसार, सेना का अभ्यास गुरुवार को समाप्त हुआ। भारतीय सेना की बैटल एक्स डिवीजन की एक इकाई के 50 से भी ज्यादा सैनिकों ने इसमें हिस्सा लिया। यह अभ्यास 7 दिन तक किया गया। इसमें करीब 10 रोबोटिक डॉग्स को शामिल किया गया था। इस दौरान रोबोटिक डॉग ने दुश्मन को खोजने, हथियार ले जाने, कैमरे से दुश्मन का ठिकाना बताने सहित विषम परिस्थितियों में सैनिकों की मदद करने का शानदार उदाहरण प्रस्तुत किया।

जन हितैषी

अडानी पर लटकती तलबार और दागदार होती सरकार

एक तरफ विश्वगुरु बनने की दहलीज पर खड़े भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुयाना में सर्वोच्च सम्मान से नवाजे जा रहे हैं तो दूसरी तरफ अडानी मामले ने देश की नाक कटाने जैसा संदेश दे दिया है। इसकी जांच और हकीकत जल्द से जल्द सामने आना चाहिए, क्योंकि इस पूरे मामले में देशवासियों के विश्वास का मामला भी जुड़ता है। दरअसल भारत के मशहूर उद्योगपति गौतम अडानी पर अमेरिका में अरबों डॉलूर की रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। अमेरिका की कोर्ट ने इस मामले में अडानी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी कर दिया है, जिसे लेकर विपक्ष पीएम मोदी पर सीधे हमलावर है। इस मामले में गौतम अडानी और सात अन्य लोगों पर अरबों डॉलर की रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी को लेकर अमेरिका की कोर्ट में सुनवाई हुई है। खास बात यह है कि मामला जैसे ही उजागर हुआ अडानी समूह ने अमेरिका में 600 मिलियन डॉलर का बॉन्ड रद्द कर दिया। इस मामले का असर भारत के शेयर बाजार में गुरुवार को देखने को मिला, जबकि मार्केट में भारी गिरावट दर्ज की गई। यही नहीं अमेरिकी अदालत की तरफ से रिश्वतखोरी के आरोपों के बाद नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने भी अडानी समूह की कंपनियों से सफाई मांगी है।

इससे पहले अडानी मामले को लेकर जारी की गई एक रिपोर्ट में बताया गया कि अभियोजकों ने बुधवार को आरोपों की घोषणा की। इसके मुताबिक अडानी समूह ने सोलर एनर्जी कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को रिश्वत दी थी। अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग में दर्ज मामले के अनुसार, गौतम अडानी पर कथित रूप से अमेरिकी निवेशकों को धोखा देने और अधिकारियों को रिश्वत देने का आरोप है। अभियोग में कहा गया है कि अडानी और अन्य ने करीब 265 मिलियन डॉलर भारतीय रुपये में करीब 2237 करोड़ की रिश्वत दी। उन्हें उम्मीद थी कि कॉन्ट्रैक्ट मिलने से दो दशक में करीब 2 बिलियन डॉलर यानी करीब 16882 करोड़ रुपये का मुनाफा मिल जाएगा। अब इस मामले को लेकर देश में राजनीति गरमा गई है। विपक्ष ने तो अडानी के बहाने प्रधानमंत्री मोदी पर ही सीधे निशाना साधना शुरु कर दिया है। कांग्रेस का आरोप है कि जब इस मामले की जांच शुरु हुई तो इसे रोकने की साजिश भी रची गई। कांग्रेस का कहना है कि यह अजीब बात है कि कांग्रेस लगातार अडानी और इससे जुड़े घपलों की जांच की बात कह रही है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी पूरी ताकत से अडानी को बचाने में लगे हुए हैं। इसकी वजह भी साफ है कि अडानी की जांच होगी तो हर कड़ी पीएम मोदी से जुड़ती हुई दिखाई देगी।

इस मामले में सबसे बड़ा हमला कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने यह कहते हुए किया है कि देश में मुख्यमंत्री को तो जेल भेजा जा रहा है, लेकिन अडानी का कुछ नहीं हो रहा है। क्योंकि ये बिजनेसमैन पीएम मोदी का पूरा समर्थन करते हैं। इसलिए पीएम मोदी भी लगातार इन्हें बचा रहे हैं। इसी के साथ राहुल गांधी ने मांग करते हुए कहा है कि अडानी को गिरफ्तार किया जाए, लेकिन वो जानते हैं कि उन्हें अरेस्ट नहीं किया जाएगा। इसी के साथ पीएम मोदी को अडानी के कंट्रोल में होने जैसा गंभीर आरोप भी लगाया और कहा कि इस मुद्दे को वो संसद में उठाएंगे। इसी के साथ जिस भी राज्य सरकारों का अडानी ग्रुप के साथ समझौता हुआ है, उसकी जांच भी होनी चाहिए। राहुल गांधी ने इस मामले में जेपीसी से जांच कराए जाने की भी मांग की है। बहरहाल राहुल गांधी यह भी कहते हैं कि अडानी के भ्रष्टाचार की बात हम नहीं कर रहे, बल्कि ये अमेरिकी एजेंसी ने अपनी जांच में बातें कही हैं। अब जो भी दोषी पाया जाता है, उसे सजा मिलनी ही चाहिए।

देश और दुनिया के प्रमुख उद्योगपति गौतम अडानी मामले ने सत्ता पक्ष को बिचलित करने जैसा काम कर दिया है, वहीं विपक्ष को मानों संजीवनी मिल गई है। कांग्रेस नेता तो सीधे अडानी के खिलाफ जारी वारंट का जिक्र कर पीएम मोदी को घेरने में लगे हैं। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि पहले से ही केंद्र सरकार और अडानी में गहरी सांठगांठ के आरोप लगते रहे हैं, जिसका समय रहते माकूल जवाब भी नहीं दिया गया। अब कांग्रेस के हमलों पर बीजेपी ने भी पलटवार करना शुरु कर दिया है। बीजेपी नेताओं का इस मामले में कहना है कि आरोप लगाने से पहले पढ़ लेना चाहिए। अनावश्यक उत्साहित होने की आवश्यकता नहीं है। यह तो सभी जानते हैं कि अब ऐसे समय में जबकि अमेरिका से लेकर भारत तक अडानी मामले ने राजनीति को मथ कर रख दिया है, कोई क्योंकर इसका बारीकी से अध्ययन करने की जेहमत करेगा। यह भी सभी मान रहे हैं कि अडानी समूह के साथ सरकारों ने जो दोस्ताना व्यवहार किया वह उद्योगजगत के अन्य टिमटिमाते सितारों के साथ तो कतई नहीं किया गया है। अब सभी को इस मामले की सच्चाई सामने आने का इंतजार है, जिसके बाद दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। तब तक अडानी की गरदन पर कार्रवाई की तलवार लटकती रहेगी और हमारी सरकार को दागदार कह घेरने का जिम्मा विपक्ष बदस्तूर निभाता रहेगा।

क्या हमारे देश में डेमोक्रेसी को करोड़पतियों ने हाईजैक कर लिया है?

अंग्रेजी में डेमोक्रेसी को फॉर दि पीपुल, वाई दि पीपुल और ऑफ दि पीपुल कहा जाता है। परंतु हमें भारतवर्ष में इसे करोड़पति के द्वारा करोड़पति के लिए और करोड़पति की कहा जाना चाहिए। पिछले चुनावों में उम्मीदवारों की सूची देखी जाए तो उसमें इक्का-दुक्का ही ऐसे होंगे जो करोड़पति नहीं हैं। अगर आप करोड़पति नहीं हैं तो आप चुनाव के मैदान में उतर नहीं सकते। सुना तो यह भी जा रहा है कि यदि आप किसी भी पार्टी का उम्मीदवार बनना चाहते हैं तो उसका टिकट पाने के लिए भी आपको करोड़ों रूपए देने पड़ते हैं। इस तरह भारतवर्ष के प्रजातंत्र पर करोड़पतियों का ग्रहण लग गया है।

पहले यह बात अफवाहों में सुनी जाती थी। परंतु इस बार चुनाव आयोग द्वारा करोड़ों रूपए जब्त किए गए हैं। समाचार पत्रों के अनुसार महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव प्रचार के दौरान 1000 करोड़ जब्त किए गए। यदि सिर्फ जब्त की गई रकम 1000 करोड़ है तो मतदाताओं के बीच में कितने करोड़ रूपए बांटे गए होंगे?

इस बार एक सनसनीखेज खबर सामने आई है। इस खबर के अनुसार भाजपा महासचिव पर पैसे बांटने का आरोप लगाया गया है और विपक्षी विधायक ने होटल में घुसकर उन्हें पकड़ा। यह आरोप अफवाह तक सीमित नहीं है वरन् भाजपा के महासचिव से चुनाव में बांटने के लिए लाखों रूपए उनके पास से पाए गए। पैसों का यह बंटवारा एक होटल से किया जा रहा था। समाचारों में बताया गया है कि एक पार्टी के बड़े नेता ने एक बयान में कहा कि मुझे भाजपा के मेरे दोस्तों ने बताया कि भाजपा महासचिव तावड़े मेरे क्षेत्र में 5 करोड़ रूपए बांटने आ रहे हैं। जिस होटल से इन रूपयों को बांटने की खबर थी वहां सीसीटीवी कैमरे चालू नहीं थे। आचार संहिता का नियम है कि चुनाव प्रचार खत्म होने के 48 घंटे पहले ही बाहरी नेताओं को जहां चुनाव हो रहा है वह शहर छोड़ देना चाहिए। इस नियम के बावजूद यह पूछा जा रहा है कि विनोद तावड़े वहां क्यों थे? क्या मतदाताओं तक पैसा पहुंचाने के लिए? फिर होटल के कैमरे क्यों बंद कर दिए गए? बहुजन विकास अघाड़ी के विधायक नितिन ठाकुर, उनके बेटे विधायक क्षितिज्ञ ठाकुर और उनकी पार्टी के कार्यकताओं ने तावड़े को रंगेहाथ पकड़ा और 4 घंटे तक नज़रबंद रखा। इसी दरम्यान तावड़े के बैग से 9 लाख रूपए बरामद हुए। आरोप है कि तावड़े ने करीबन 5 करोड़ रूपए अपने नेताओं द्वारा बंटवाए। इस संबंध में एफआईआर दर्ज करा दी गई। तावड़े के पास एक डायरी भी मिली, जिसमें कई नामों के आगे 300 के और 400 के लिखा हुआ है, इसका मतलब यह है कि लगभग हर एक वोटर को बड़ी रकम पहुंचाई गई है।

इसका अर्थ यह है कि डेमोक्रेसी में अब किसी सिद्धांत का कोई मतलब नहीं रहा। जो पार्टी पैसा दे उस पार्टी को ही वोट पाने का हक है।

इस घटना पर टिप्पणी करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा मोदी जी ये 5 करोड़ किसकी सेफ से निकले? यह रकम किसने भेजी? जनता का पैसा लूटकर आपको किसने टेम्पू में भेजा?

कई चैनल पिछले कुछ दिनों से इस बात का प्रचार कर रहे हैं कि पार्टियों की ओर से विशेषकर भारतीय जनता पार्टी की ओर से बड़े पैमाने पर मतदाताओं तक पैसे पहुंचाए जा रहे हैं। उनका यह भी दावा है कि यही कारण है कि इंडिया एलायंस की जीत की भविष्यवाणी करने के बावजूद वह नहीं जीत पाती है। दूसरी पार्टियां ऐसा नहीं कर रही होंगी यह बात पूरे विष्वास से नहीं कही जा सकती। यदि पैसे से ही लोगों का मत प्रभावित होता है तो कितने दिन तक इस तरह की डेमोक्रेसी टिकेगी? क्या यह आम लोगों की चिंता का विषय नहीं है? (लेखक - एल.एस. हरदेनिया/ईएमएस) (संयोजक-सेक्युलर मंच द्वारा प्रसारित)

भारत में रोजगार के संदर्भ में बदलना होगा अपना नजरिया

भारतीय प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति की सदस्य सुश्री शमिका रवि द्वारा हाल ही में सम्पन्न किए गए एक रिसर्च पेपर में, आंकड़ों के साथ, कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई हैं। इस रिसर्च पेपर में भारत के आर्थिक विकास के कई क्षेत्रों के सम्बंध में तथ्यों पर आधारित सारगर्भित बातें बताने के साथ साथ यह भी जानकारी दी गई है कि किस प्रकार भारत में अब ग्रामीण इलाके भी देश की अर्थव्यवस्था में अपना योगदान बढ़ा रहे हैं तथा कई राज्यों की आर्थिक स्थिति में सुधार होता हुआ दिखाई दे रहा है। साथ ही, यह भी बताया गया है कि किस प्रकार भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास का लाभ देश के युवाओं को रोजगार के अधिक अवसरों के रूप में मिल रहा है।

आज भारत में केवल मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, बैंगलोर, हैदराबाद, पुणे जैसे महानगर ही देश के विकास में भागीदारी नहीं कर रहे हैं बल्कि ग्रामीण इलाकों में भी पर्याप्त विकास हो रहा है। इससे रोजगार के अवसर भी इन इलाकों में निर्मित हो रहे हैं। सबसे अधिक विकास आज अविकसित क्षेत्रों में हो रहा है। आज गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, आदि के साथ साथ उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, एवं नोर्थ ईस्ट के इलाके भी तेजी से विकास कर रहे हैं। विकास के कई नए क्षेत्रों का निर्माण हुआ है। पिछड़े हुए इन राज्यों में गति पकड़ रहा विकास, भारत के सकल घरेलू उत्पाद में और भी अधिक वृद्धि दर्ज करने में सहायक सिद्ध होगा। ग्रामीण इलाकों में मूलभूत सुविधाओं का अतुलनीय विस्तार हुआ है, जिसके चलते अब सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कार्य करने वाली कम्पनियां भी अपने संस्थानों को ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित हो रही हैं। विशेष रूप से दक्षिणी प्रदेशों में कुछ कम्पनियों ने इस सम्बंध में अच्छी पहल की है। प्राचीन भारत में ग्रामीण क्षेत्र ही आर्थिक विकास के मजबूत केंद्र रहे हैं। इससे इन क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों को रोजगार के अवसर भी इनके आसपास के इलाकों में मिल जाते हैं और इन्हें शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन करने की आवश्यकता ही नहीं होती है।

दूसरे, सामान्यतः देश के विभिन्न राज्यों की वित्तीय स्थिति में भी मजबूती आई है। कुछ राज्यों के बजटीय घाटे में अतुलनीय सुधार दृष्टिगोचर हुआ है। परंतु, साथ ही कुछ राज्यों जैसे, पंजाब, केरल, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, आदि प्रदेशों में आज बजटीय घाटे की स्थिति दयनीय हो रही है जिसे शीघ्र ही सम्हालने की आवश्यकता है क्योंकि एक तो इन राज्यों में विकास दर कम होती जा रही है दूसरे इन राज्यों द्वारा मुफ्त योजनाओं को धड़ल्ले से चलाया जा रहा है, बगैर यह ध्यान दिए कि इन बढ़े हुए खर्चों के लिए क्या उनके बजट में कुछ गुंजाइश भी है। इस प्रकार के बढ़े हुए खर्चे इन राज्यों के बजट पर अंततः दबाव बढ़ाते हैं।

आज देश में कुछ राज्यों में ब्याज के भुगतान, प्रशासन सम्बंधी खर्चों एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन का भुगतान करने में ही पूरे बजट की राशि समाप्त हो जाती है। प्रदेश में विकास कार्य करने के लिए कुछ भी राशि बचती ही नहीं है बल्कि कुछ राज्यों को तो इन मदों पर भुगतान करने हेतु भी ऋण लेना होता है जो बजट पर और अधिक दबाव को बढ़ाता है। पूंजीगत खर्चे इन राज्यों में कम ही हो पा रहे हैं जिससे इन राज्यों में प्रति व्यक्ति आय भी कम है और ये राज्य विकास की दर को हासिल नहीं कर पा रहे हैं। दिल्ली में पिछले 10 वर्ष पूर्व तक पूंजीगत मदों पर बजट का एक बहुत बड़ा भाग खर्च होता था परंतु पिछले 10 वर्षों में पूंजीगत व्यय में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। पंजाब की स्थिति भी बहुत खराब हो गई है केवल 20 वर्ष पूर्व तक पंजाब देश में सबसे अमीर राज्यों की श्रेणी में शामिल था परंतु आज इसके आसपास के राज्य, हिमाचल प्रदेश एवं हरियाणा, भी पंजाब से आगे निकल गए हैं। इन राज्यों में उद्योगों को स्थापित करने की आज सबसे अधिक आवश्यकता है। पंजाब से उद्योग निकलकर हिमाचल प्रदेश एवं हरियाणा में चला गया है। मध्यप्रदेश एवं बिहार कृषि के क्षेत्र में बहुत भारी वृद्धि दर्ज कर रहे हैं परंतु उद्योग के कम मात्रा में होने के चलते इन राज्यों में प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि दर तुलनात्मक रूप से कम है।

किसी भी देश के लिए श्रम की भागीदारी एवं बेरोजगारी दो अलग अलग मुद्दे हैं। श्रम की भागीदारी में 18 वर्ष से 59 वर्ष के बीच के वे लोग शामिल रहते हैं जो अर्थ के अर्जन हेतु या तो कुछ कार्य कर रहे हैं अथवा कोई आर्थिक कार्य करने को उत्सुक हैं एवं इस हेतु रोजगार तलाश रहे हैं। पिछले 40 वर्षों के दौरान चीन में श्रम की औसत भागीदारी 75 प्रतिशत से ऊपर रही है। अर्थात प्रत्येक 4 में से 3 लोग या तो रोजगार में रहे हैं अथवा रोजगार तलाशते रहे हैं। वियतनाम में श्रम की भागीदारी 72 से 73 प्रतिशत की बीच रही है। बंगलादेश में यह 60 प्रतिशत से अधिक रही है। परंतु भारत में श्रम की भागीदारी 5 वर्ष पूर्व तक केवल 50 प्रतिशत के आसपास थी जो आज बढ़कर 57 प्रतिशत हो गई है। अर्थात इतने बड़े देश में कुल कार्य करने योग्य जनसंख्या में से आधे से कुछ कम आबादी या तो रोजगार में नहीं है अथवा रोजगार तलाश भी नहीं रही है। यह स्थिति भारत जैसे देश के लिए ठीक नहीं है।

दूसरे, बेरोजगारी से आश्य ऐसे नागरिकों से है जो रोजगार तलाश रहे हैं लेकिन उन्हें रोजगार मिल नहीं रहा है। भारत में ऐसे नागरिकों की संख्या मात्र 3 प्रतिशत ही है। समय के साथ बेरोजगारी की दर में थोड़ा बहुत परिवर्तन होता रहता है। परंतु, जब इस स्थिति को विभिन्न प्रदेशों के बीच तुलना करते हुए देखते हैं तो बेरोजगारी की दर में भारी अंतर दिखाई देता है। गुजरात, छत्तीसगढ़, कर्नाटक जैसे राज्यों में बेरोजगारी की दर यह 0.9 से 1.5 प्रतिशत के बीच है, जबकि केरल में 12.5 प्रतिशत है। आर्थिक विकास में वृद्धि के साथ साथ रोजगार के अवसर भी अधिक निर्मित होते हैं। इसलिए आज देश में रोजगार के नए अवसर निर्मित करने के लिए व्यवसाय को बढ़ाना होगा, विकास को बढ़ाना होगा। केवल केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारें समस्त नागरिकों को रोजगार उपलब्ध नहीं करा सकती है। इस हेतु, निजी क्षेत्र को आगे आना ही होगा। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के संस्थानों के रोजगार के अवसर निर्मित करने की कुछ सीमाएं हैं।

आज भारत में 30 वर्ष के अंदर की उम्र के नागरिकों में बेरोजगारी की दर 12 प्रतिशत है, जबकि देश में कुल बेरोजगारी की दर 3.1 प्रतिशत है। अतः देश के युवाओं में बेरोजगारी की दर अधिक दिखाई देती है। देश के युवाओं में कौशल का अभाव है। इसलिए केंद्र सरकार विशेष कार्यक्रम लागू कर युवाओं में कौशल विकसित का प्रयास कर रही है। विशेष रूप से भारत में युवाओं के लिए कहा जा रहा है कि वे 30 वर्ष की उम्र तक काम करना ही नहीं चाहते हैं, क्योंकि इस उम्र तक वे रोजगार के अच्छे अवसर ही तलाशते रहते हैं। 30 वर्ष की उम्र के बाद वे दबाव में आने लगते हैं एवं फिर उन्हें जो भी रोजगार का अवसर प्राप्त होता है उसे वे स्वीकार कर लेते हैं। इसलिए 30 वर्ष से अधिक की उम्र के नागरिकों के बीच बेरोजगारी की दर बहुत कम है। यह स्थिति हाल ही के समय में विश्व के अन्य देशों में भी देखी जा रही है। युवाओं की अपनी नजर में सही रोजगार के अवसर के लिए वे इंतजार करते रहते हैं, अथवा वे अपनी पढ़ाई जारी रखते हैं। आज विशेष रूप से भारत में रोजगार के अवसरों की कमी नहीं है। युवाओं में कौशल एवं मानसिकता का अभाव एवं केवल सरकारी नौकरी को ही रोजगार के अवसर के लिए चुनना ही भारत में श्रम की भागीदारी में कमी के लिए जिम्मेदार तत्व हैं। अधिक डिग्रीयां प्राप्त करने वाले युवा रोजगार के अच्छे अवसर तलाश करने में ही लम्बा समय व्यतीत कर देते हैं। कम डिग्री प्राप्त एवं कम पढ़े लिखे नागरिक छोटी उम्र से ही रोजगार प्राप्त कर लेते हैं। यह भी कटु सत्य है कि डिग्री प्राप्त करने एवं वास्तविक धरातल पर कौशल विकसित करने में बहुत अंतर है। आज भी भारत में कई कम्पनियों की शिकायत है कि देश में इंजीनीयर्स तो बहुत मिलते हैं परंतु उच्च कौशल प्राप्त इंजीनीयर्स की भारी कमी हैं।

तमिलनाडु में किए गए एक अध्ययन में यह तथ्य उभर का सामने आया है कि किसी भी देश के नागरिक जब अधिक उम्र में रोजगार प्राप्त करते हैं तो उनकी कुल उम्र भर की कुल वास्तविक औसत आय बहुत कम हो जाती है। इसके विपरीत जो नागरिक अपनी उम्र के शुरूआती पड़ाव में ही रोजगार प्राप्त कर लेते हैं उनकी कुल उम्र भर की वास्तविक औसत आय तुलनात्मक रूप से बहुत बढ़ जाती है। भारत में स्टार्ट अपस को बढ़ावा दिया जाना चाहिए एवं युवाओं को सरकारी नौकरी की चाहत को छोड़कर निजी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने के प्रयास करने चाहिए। साथ ही आज युवाओं को अपने स्वयं के व्यवसाय प्रारम्भ करने के प्रयास भी करने चाहिए। (लेखक - प्रहलाद सबनानी/ईएमएस) (सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

अब सबके सपनों में सत्ता -सुंदरी

महाराष्ट्र और झारखण्ड विधानसभाओं के चुनाव समाप्त हो गए। अब 23 नवमबर को नतीजे आएंगे, तब तक सभी राजनीतिक दलों के प्रत्याशी, नेता और कार्यकर्ता थकान मिटायेंगे और जब उन्हें नींद आएगी तो सभी को ख्वाब में सत्ता-सुंदरी नर्तन करती दिखाई देगी। ऐसा शुरू से होता आया है, लेकिन एक मै हूँ जिसके सपने में कोई सत्ता-सुंदरी नहीं आती। मेरे सपनों में आता है तो यूटयूब का डायमंड प्ले बटन। भारत में 247 हम बिरादरी वालों के पास ये डायमंड प्ले बटन है।

दुनिया में हर इंसान को सपने आते है। कहते हैं कि सपने तो जानवर भी देख्छ्ते हैं, पशु-पक्षी भी देखते हैं। सबके सपने अपने-अपने ढंग के होते है। नेताओं को सपने में सत्ता सुंदरी दिखाई देती है तो 85 करोड़ जनता को सपने में रोटी दिखाई देती है। मजदूर को दिहाड़ी, नौजवान को नौकरी, उद्योगपति को मुनाफा और अपराधियों को बंदूकें। बच्चों को सपने में खिलौने तथा चॉकलेट्स दिखाई देती हैं, बुजुर्गों को नर्क या स्वर्ग।

स्वप्नों के बारे में हमारे प्रिय कवि गोस्वामी तुलसीदास जी कह गए हैं कि - मोह निशा सब सोवनहारा। देखहिं स्वप्न अनेक प्रकारा।।यानि स्वप्न देखना सभी का जन्मसिद्ध अधिकार है। मौलिक एकदम मौलिक अधिकार। इसका जिक्र संविधान में भले न हो लेकिन हर कोई स्वप्न देख सकता है। स्वप्न देखे ही नहीं जाते बल्कि दिखाए भी जाते है। इन दोनों ही क्रियाओं पर न कोई टैक्स लगता है और न कोईपाबन्दी। कोई तुगलक, कोई हिटलर, कोई मुसोलनी स्वप्न देखने पर पाबन्दी लगा भी दे तो भी आप स्वप्न देख सकते हैं, ये बात और है कि तानाशाहों के राज में आप न अपने स्वप्न का जिक्र कर सकते हैं और न उसमें रंग भर सकते हैं।वाहन सपने देखने का अधिकार केवल तानाशाह को होता है,

स्वप्न देखने के लिए नींद आना जरूरी नहीं है। आप चाहें तो खुली आँखों से भी स्वप्न देख सकते हैं। सपनों कोई कोई जात-बिरादरी या सम्प्रदाय नहीं होता। सपने देखने वाले की जरूरत के हिसाब से ही आएं - जाएँ ये जरूरी नही। कभी-कभी आप ऐसे सपने भी देख सकते हैं जिनसे आपका दूर-दूर का भी कोई नाता-रिश्ता न हो। सपने किस पदार्थ से बने होते हैं ये मै नहीं जानता। लेकिन ये सपने टूटते भी हैं, इसलिए लगता है कि सपने भी या तो कांच के होते हैं या मिटटी के। सपने किसी धातु से बने होते तो आसानी से टूटते नही।

सपनों को लेकर तमाम धारणाएं हैं। अडानी-अम्बानी के सपने दूसरी तरह के होते होंगे।

कल जो बीत गया आज वो सपना हो गया है आज जो बीत जायेगा कल सपना हो जायेगा। इसी तरह ये सारे जीवन की कार्यवाही सपना हो जाती है। हमारी तमाम चिंताएं, आकांक्षाएं एक सपना ही तो हैं। सपना आता है और पलक झपकते चला भी जाता है। सपनों के बारे में हमारे आराध्य भगवान शिव का वक्तव्य आधिकारिक माना जा सकता है। भगवान शिव जी कहते हैं कि -

उमा कहहुँ मैं अनुभव अपना।
सत हरि भजन जगत सब सपना।।

सपने में कोई भी आ -जा सकता है। सांप, बिच्छू, शेर, चीत। बिल्ली के ख्वाब में तो छिछड़े आते हैं। हम सनातनी लोग सपनों को बेहद गंभीरता से लेते है। हमारे ज्योतिषियों ने तो सपनों को लेकर उपचार भी तलाश रखे हैं। मसलन यदि आपके सपने में सांप नजर आएं तो सांपों की उपस्थिति प्रलोभन, शक्ति और कामुकता सहित जीवन के विभिन्न पहलुओं का प्रतीक हो सकती है। सपने के संदर्भ के आधार पर, साँप सकारात्मक और नकारात्मक दोनों शक्तियों का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं।पंडित जी आपको फौरन कालसर्प योग पूजा करने के लिए कह सकते हैं। सपने में शेर दिखाई दे तो हम देवी कि नाम पर भंडारा कर देते हैं।

दुर्भाग्य ये है कि सपने में सत्ता-सुंदरी आने पर ज्योतिषियों ने कोई उपाय नहीं बताया, जैसे मेरे सपने में यूटयूब का डायमंड बटन आता है, अब इसे हासिल करने के लिए मुझे कौन सी पूजा करना चाहिए ज्योतिषी नहीं बताता। क्योंकि डायमंड बटन किसी पूजा से नहीं बल्कि सब्सक्राइबर्स की संख्या के आधार पर मिलता है। आपके चैनल के कम से कम एक करोड़ ग्राहक हों तब कहीं जाकर आप डायमंड प्ले बटन का सपना देख सकते हैं। अब होता ये है कि - न नौ मन तेल होता है और न राधा नाचती है।

बहरहाल संतोष की बात ये है कि हमारा देश दुनिया कि तमाम इंडेक्सों में भले ही नीचे से भी नीचे रहता हो किन्तु यूटयूब कि डायमंड प्ले बटन कि मामले में दुनिया में दुसरे पायदान पर है। डायमंड बटन वाले सबसे ज्यादा चैनल अमेरिका में है. यहां पर लोग यूटयूब पर काफी ज्यादा कंटेट क्रिएट करते हैं. डायमंड प्ले बटन उसी यूटयूबर के चैनल को दिया जाता है, जिसके सब्सक्राइबर्स की संख्या 10 मिलियन तक पहुंच जाती है. यानी चैनल के 1 करोड़ सब्सक्राइबर हो गए हैं, तो डायमंड प्ले बटन मिल सकता है। इस लिस्ट में भारत दूसरे नंबर पर है. अमेरिका के बाद दूसरी कंट्री भारत ही है, जहां सबसे ज्यादा डायमंड प्ले बटन हैं. यहां 247 चैनलों को यह रिवार्ड यूटयूबरस की ओर से मिला हुआ है. अमेरिका के बाद सबसे ज्यादा लोग भारत में ही यूटयूब पर कंटेट देखते और बनाते हैं। कंटेंट बनाना भी कोई छोटा-मोटा काम है क्या? (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8195

बाएँ से दाएँ

1. खटपट, ठनाठनी-4
4. पंजाब की एक नदी-4
6. चित्रकमेल, लम्बी गर्दनवाला पशु-3
8. दंड, दम, शामन-3
9. धरा, भूमि-3
11. शासन व्यवस्था, रहस्य-2
13. नवचंद्राकार-5
15. अकेला-2
16. दया, करुणा-3
18. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
19. देवर्षि, देवमुनि-3
20. सब्जी, भाजी-4
22. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4

ऊपर से नीचे

1. गुनाह, दोष, जुर्म-3
2. अपराधमुक्त, निवृत्त-2
3. सौत, दूसरी स्त्री-3
4. होशियार, गुणवान-5
5. भूकम्प-4
7. भेद, तुलना-3
10. परिचर्या-5
12. स्वभाव-4
14. स्थित होना-3
17. श्मशान-4
18. गृह, भवन-3
21. जीवन, जीव, स्फूर्ति-2

शब्द पहेली -8194 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

पवार परिवार के पावर की चुनावी अग्निपरीक्षा

महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव अब अपने मुकाम पर पहुंच गया है। मतदान की घड़ियां नजदीक आ गई है। महाराष्ट्र के इस बार के चुनाव में सबसे रोचक मुकाबला पवार परिवार के बीच ही हो रहा है। इस मुकाबले पर सबकी नजरें भी लगी हैं। इस बार पवार परिवार के राजनीतिक पावर का भी फैसला होने जा रहा है। महाराष्ट्र के राजनीतिक इतिहास में शरद पवार हर चुनाव में केंद्रीय और निर्णायक भूमिका में रहते हैं और उनका उनकी चुनावी रणनीति भी बेजोड़ मानी जाती है। लेकिन जिस तरह देश के एक और बड़े राजनीतिक परिवार जिसे गांधी परिवार के नाम से जाना जाता है इस परिवार में उस समय विभाजन हो गया जब प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की बहू मेनका गांधी ने अपनी सास के विरुद्ध बगावत कर दी। बाद में मेनका गांधी भाजपा में शामिल भी हो गईं। गांधी परिवार के वारिसों के बीच टकराव बना ही रहा है। देश का एक और चर्चित राजनीतिक परिवार है जो वरिष्ठ नेता शरद पवार का परिवार है। शरद पवार के खिलाफ उन्हीं के भतीजे अजीत पवार ने बगावत कर दी और वे अपने चाचा के विरोध में सीधे सामने खड़े हो गए। लोक लोकसभा चुनाव के ठीक पहले शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस के दो धड़े हो गए। जिसमें एक धड़े का नेतृत्व शरद पवार और दूसरे धड़े का नेतृत्व उनके भतीजे अजित पवार कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव के समय पवार परिवार का टकराव खुलकर सामने आ गया जब शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले के विरुद्ध अजीत पवार ने अपनी पत्नी को चुनाव मैदान में उतार दिया। शरद पवार ने अपने भतीजे को धूल चटा दी और उनकी बेटी लोकसभा का चुनाव जीत गई। एक बार फिर विधानसभा के चुनाव में पवार परिवार के बीच सीधे-सीधे टकराव हो रहा है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के में बारामती सीट इस समय सबसे ज्यादा चर्चा में है। इस सीट पर शरद पवार और उनके भतीजे अजीत पवार के बीच सीधा चुनावी मुकाबला हो रहा है। पवार परिवार के बीच राजनीतिक विवादित इस सीमा तक बढ़ गया है कि अब शरद पवार ने पहली बार अपनी पत्नी प्रतिभा पवार को भी अपने पोते युगेंद्र पवार के लिए चुनावी मैदान में उतार दिया है, जो इस परिवार के लिए एक ऐतिहासिक पल है। क्योंकि यह पहली बार है जब शरद पवार की पत्नी किसी चुनावी अभियान का हिस्सा बनी हैं। बारामती में शरद पवार और अजीत पवार के बीच सत्ता की जंग काफी गहरी हो गई है। अजीत पवार और युगेंद्र पवार, जो उनके सगे भतीजे हैं, एक-दूसरे के खिलाफ चुनावी मैदान में हैं। यह मुकाबला पवार परिवार के पावर और प्रतिष्ठा के लिए अहम है। शरद पवार खुद चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं और उनकी पत्नी प्रतिभा पवार ने भी युगेंद्र पवार के लिए घर-घर जाकर प्रचार करना शुरू कर दिया है। इस चुनावी माहौल में शरद पवार ने अजीत पवार को खुली चुनौती दी है। जब अजीत पवार ने नामांकन पत्र दाखिल किया तब शरद पवार गुट के उम्मीदवार युगेंद्र पवार ने भी अपनी उम्मीदवारी दाखिल की। इस बार शरद पवार खुद युगेंद्र पवार के साथ नामांकन पत्र भरवाने मौजूद रहे। चुनाव प्रचार के इस दौर में शरद पवार की पत्नी प्रतिभा पवार ने भी सक्रिय भूमिका निभाई है। यह पहली बार है जब शरद पवार की पत्नी प्रतिभा पवार ने किसी उम्मीदवार के लिए प्रचार किया और यह उनकी उपस्थिति चर्चा का विषय बन हुई है। एनसीपी में फूट के बाद उनकी सक्रियता ने राजनीति में हलचल मचा दी है। अजीत पवार ने अपनी चाची प्रतिभा पवार की मौजूदगी पर सवाल उठाया है और कहा कि वह पिछले 40 सालों से घर-घर प्रचार नहीं करती थीं, लेकिन अब क्यों घर-घर जाकर प्रचार कर रही हैं। अजीत पवार चाची से पूछा रहे हैं कि क्या आप मुझे हरवाओगी? यह बयान पवार परिवार के भीतर के रिश्तों और आंतरिक टकराव को उजागर करता है। बारामती विधानसभा क्षेत्र में चाचा-भतीजे के बीच इस कांटे की लड़ाई पर सभी की नजरें टिकी हैं, और चुनाव परिणाम इस परिवार के भविष्य को निर्धारित करेंगे। पूरे विधानसभा चुनाव के चुनावी नतीजे यह भी साबित करेंगे कि महाराष्ट्र की राजनीति में चाचा और भतीजे में से कौन पवार परिवार का पावर बनता है और किसका धड़ा असली चेहरा साबित होता है। (लेखक- सच्चिदानंद शेकटकर/ ईएमएस)

सम्पादकीय

खेल - समाचार

सिंधु चायना ओपन से बाहर हुई

शेन्ज़ेन (ईएमएस)। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु चाइना मास्टर्स से बाहर हो गयीं है। सिंधु को दूसरे दौर के मैच में सिंगापुर की यो जिया मिन ने 16-21, 21-17, 21-23 से हराया। सिंधु का मुकाबला लंबे समय तक चला। सिंधु का लगातार सातवां टूर्नामेंट था, जिसमें वह इस साल क्वार्टर फाइनल से ऊपर नहीं बढ़ पायीं। सिंधु एक बार स्कोर 14-14 से बराबर करने के बावजूद पहला गेम हार गयीं, वह लय बरकरार नहीं रख पाईं।

सिंधु ने दूसरे गेम में वापसी करते हुए 11-8 से पिछड़ने के बाद 21-17 से गेम जीतकर मैच को तीसरे गेम तक पहुंचा दिया। 29 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने अंतिम गेम की शुरुआत 6-3 की बढ़त के साथ की और फिर इसे 13-9 तक मजबूत किया। यो जिन ने इसके बाद स्कोर 15-15 कर दिया। वह लगातार तीन अंक हासिल करते हुए भारतीय खिलाड़ी से आगे निकल गयीं। सिंधु ने इसके बाद वापसी के प्रयास किये पर वह सफल नहीं हुईं और अंत में 21-23 से हार गईं।

वहीं एक अन्य मैच में भरत की ही अनुपमा उपाध्याय को भी अपने-अपने दूसरे दौर में हार झेलनी पड़ी। अनुपमा को जापान की नात्सुकी निदाइरा के हाथों सीधे गेम में 21-7, 21-14 से हार का सामना करना पड़ा और इसी के साथ ही वह भी बाहर हो गयीं। अनुपमा को विश्व की 26वें नंबर की खिलाड़ी नात्सुकी ने आधे घंटे के अंदर ही हरा दिया। इसके अलावा भारत के ही बी. सुमीत रेड्डी और एन. सिक्की रेड्डी की मिश्रित युगल जोड़ी के मैच से बाहर होने से चीनी प्रतिद्वंद्वी को वॉकओवर मिल गया।

कनाडा को हराकर जर्मनी डेविस कप टेनिस के सेमीफाइनल में पहुंची

मैलागा (ईएमएस)। जर्मनी की डेविस कप टेनिस के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। जर्मनी ने क्वार्टर फाइनल में कनाडा को हराकर अंतिम चार में जगह बनायी। जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ और डैनियल अल्टमायर ने अपने-अपने मैच जीतकर कनाडा को 2-0 से हराया। इसके साथ ही जर्मनी की टीम डेविस कप के सेमीफाइनल में पहुंच गयी। जर्मनी के अल्टमायर ने इस मैच में गैब्रियल डायलो को सीधे सेटों में 7-6(5) 6-4 से हराया। वहीं इससे पहले एक अन्य मैच में स्ट्रफ ने डेनिस शापोवालोव पर 4-6 7-5 7-6(5) से जीत दर्ज की।

स्ट्रफ ने कहा, आज मुझे लगता है कि हम जीत के अधिकारी थे। मैं जीत से उत्साहित हूं हालांकि विरोधी खिलाड़ी डेनिस भी काफी अच्छे से खेल रहे थे, उन्होंने पूरे मैच में जबरदस्त सर्विस की जिससे हमारे लिए वापसी करना मुश्किल हुआ। टाईब्रेक में भी, उन्होंने कुछ विनर्स लगाए। कुल मिलाकर यह बहुत करीबी मुकाबला रहा था। अब सेमीफाइनल में जर्मनी का मुकाबला नीदरलैंड से होगा। नीदरलैंड ने इससे पहले एक अन्य मैच में रफल नडाल पर जीत के साथ ही स्पेन को हराया था। स्ट्रफ ने कहा कि हमारे लिए क्वार्टर फाइनल से सेमीफाइनल में जाना एक बड़ा कदम है। हम जीतना चाहते हैं और अब फाइनल में जाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, नीदरलैंड ने भी अब तक शानदार मुकाबला खेला है। हमें सेमीफाइनल में हमें कड़े मुकाबले की उम्मीद है। हम जानते हैं कि जर्मन और डच के बीच थोड़ी प्रतिद्वंद्विता है और डच लोगों के पास काफी प्रशंसक हैं, इसलिए मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

इससे पहले, शुरुआती मैच में, पहले सेट के दौरान दोनों खिलाड़ी आशंकित दिखे। अल्टमायर ने टाईब्रेक में 5-0 की बढ़त को जाने दिया और फिर 7-5 से जीत हासिल की। दूसरा सेट बेहतर रहा और यह तभी संभव हुआ जब जर्मन खिलाड़ी ने 15-40 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए दसवें गेम में कनाडाई खिलाड़ी की सर्विस तोड़ी और मैच जीत लिया।

एशेज की तरह है बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी : पोंटिंग

मेलबर्न (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारत के साथ होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 की तुलना इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली एशेज सीरीज से की है। उन्होंने कहा कि ये सीरीज विश्व क्रिकेट में सबसे अधिक प्रतीक्षित सीरीजों में से हैं। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का पहला टेस्ट शुक्रवार से पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में खेला जाएगा। पोंटिंग ने दोनों टीमों से पूरी सीरीज के दौरान प्रतिस्पर्धी लेकिन निष्पक्ष भावना बनाए रखने को कहा है।

इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि मुझे लगता है कि हम सभी एशेज, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जैसी सीरीजों का बेसब्री से इंतजार करते हैं। साथ ही कहा कि एक पूर्व खिलाड़ी और एक कमेंटेटर के तौर पर में मैं इन दोनों टीमों को मैदान पर उतरते हुए कड़ी मेहनत और निष्पक्षता से खेलते हुए देखना चाहता हूं और फिर देखना चाहता हूं कि अगले पांच मैचों के अंत में कौन टिक पाता है। सीरीज के दौरान अपेक्षित तीव्रता के बारे में पोंटिंग ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि मैच रोमांचक होंगे। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि मसाला सही शब्द है या नहीं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि खेल लगभग चरम पर खेला जाएगा, अगर आप चाहें, तो दुनिया की दो सर्वश्रेष्ठ टीमें एक-दूसरे को एक इंच भी जगह नहीं देना चाहती हैं।

इस पूर्व कप्तान ने कहा, हम विरोधी टीम को एक इंच भी जगह नहीं देना चाहते, उन पूरे पांच टेस्ट मैचों के दौरान एक भी मुकाबला नहीं हारना चाहते। पोंटिंग ने प्रतिद्वंद्विता के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, यही विश्व खेल में इन महान प्रतिद्वंद्विता की खूबसूरती है। ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच टेस्ट मैच अब क्रिकेट ही नहीं बल्कि विश्व खेलों में सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता है।

पुजारा के भारतीय टीम में नहीं होने से खुश हैं हेजलवुड

पर्थ (ईएमएस)। यहां शुक्रवार से शुरु हो रहे पहले टेस्ट मैच की तैयारी में लगे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कहा है कि इस बार भारतीय टीम में अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा के नहीं होने से उन्हें खुशी मिली है। हेजलवुड के अनुसार पुजारा विकेट पर जम जाते हैं और उन्हें गेंदबाजी करना बेहद कठिन होता है। पुजारा ने साल 2018-19 में चार टेस्ट की सात पारियों में तीन शतक लगाकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने 2020-21 की श्रृंखला में 928 गेंदें खेली जो श्रृंखला में किसी भी बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक थी और इस बार भी उन्होंने जीत में आगे बढ़कर अपनी भूमिका निभाई थी। हेजलवुड ने पहले टेस्ट से पूर्व कहा, 'मुझे खुशी है कि पुजारा इस बार टीम में नहीं है। वह ऐसे बल्लेबाज हैं जिनको आप हमेशा आउट करना चाहेंगे। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्होंने हमेशा अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने हालांकि कहा कि पुजरा के नहीं होने के बाद भी भारतीय टीम के पास काफी प्रतिभाशाली क्रिकेटर हैं। उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम में हमेशा युवा और नए खिलाड़ी आते रहते हैं। उन पर अच्छे प्रदर्शन का इतना दबाव होता है इसलिए भारतीय एकादश में जो भी होगा, वह काफी बेहतर ही होगा।

पिछली बार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने ब्रिसबेन में चौथे और आखिरी टेस्ट में नाबाद 89 रन बनाए थे। हेजलवुड ने कहा कि पंत के जैसे आक्रामक बल्लेबाज के लिए लचीलापन अपनाना होगा। उन्होंने कहा, 'ऐसे बल्लेबाज के सामने आपको हमेशा एक से दो योजनाएं होनीं चाहिये। वहीं शुभमन गिल अंगूठे की चोट के कारण पहला मैच नहीं खेलेंगे जिसकी वजह से भारत को तीसरे नंबर पर नया बल्लेबाज उतारना होगा। हेजलवुड ने कहा, 'इससे शीर्ष छह का संतुलन बिगड़ता है लेकिन भारतीय क्रिकेट में बहुत गहराई है, इसलिए उन्हें फर्क नहीं पड़ेगा। जो भी आएगा, वह बेहतरीन ही होगा।

मेसी अगले साल आ सकते हैं भारत

तिरुवनंतपुरम (ईएमएस)। भारतीय फुटबॉल प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है। अर्जेंटीना के स्टार स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी अगले साल भारत में खेलने आ सकते हैं मेसी के भारत में भी काफी प्रशंसक हैं। ऐसे में भारतीय प्रशंसकों के पास अवसर होगा कि वह मेसी को देख सकें। केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान ने कहा कि मेसी सहित अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम अगले साल एक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए भारत आयेगी। खेल मंत्री ने कहा कि इस मैच की मेजबानी के लिए राज्य पूरी तैयारी करेगा। उन्होंने केरल की क्षमता पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि मैच राज्य सरकार की पूरी निगरानी में आयोजित किया जाएगा। मेसी ने अंतिम बार 2011 में भारत में खेला था उस समय अर्जेंटीना ने वेनेजुएला के खिलाफ एक अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। यह मैच गोल रहित ड्रॉ पर समाप्त हुआ था.

हाल ही में मेजर लीग सॉकर की टीम इंटर मियामी में मेसी के शामिल होने से उत्तरी अमेरिका में उनकी लोकप्रियता और बढ़ गई है, जिससे भारत में भी उनके प्रशंसक आकर्षित हुए हैं, जो अक्सर उनके मैच देखने के लिए देर रात तक जागते रहते हैं। वैश्विक फुटबॉल आइकन के रूप में उनकी स्थिति ने पूरे क्षेत्र में कई प्रशंसक क्लबों और समारोहों का गठन किया है, जहाँ उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाया जाता है।

शमी को आईपीएल में इसलिए नहीं मिलेगी अधिक कीमत : मांजरेकर

मुम्बई (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को इस बार आईपीएल 2025 के लिए होने वाले नीलामी में अधिक कीमत नहीं मिल पायेगी। मांजरेकर के अनुसार सभी फ्रेंचाइजी उनकी फिटनेस को लेकर चिंतित होगी क्योंकि वह साल तक चोट के कारण प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर रहे हैं।

हालांकि शमी की घरेलू क्रिकेट में वापसी एक महत्वपूर्ण कदम है। आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 के दौरान वह शानदार फॉर्म में थे। वह 7 मैचों में 10.70 की औसत से 24 विकेट लेकर टूर्नामेंट के अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में समाप्त हुए। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में आया, जहां उन्होंने 57 रन देकर 7 विकेट लिए।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद , अडानी समूह के शेयर 23 फीसदी गिरे

सेंसेक्स 422 अंक, निफ्टी 168.60 अंक नीचे आया

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही अदाणी समूह के शेयरों के टूटने से आई है। अमेरिका की एक अदालत में अडानी समूह पर रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के आरोप लगाये जाने के बाद समूह के शेयरों में भारी गिरावट आई जिससे भारतीय बाजार गिर गया। विदेशी निवेशकों की जारी बिकवाली और दूनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 422.59 अंक करीब 0.54 फीसदी नीचे आकर 77,155.79 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 168.60 अंक तकरीबन 0.72 फीसदी टूटकर 23,349.90 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सबसे ज्यादा गिरावट अडानी समूह के शेयरों में आई। इस समूह पर अमेरिकी अभियोजकों ने भारत में सौर बिजली के ठेके हासिल करने के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 25 करोड़ डॉलर की रिश्वत देने का आरोप लगाया है। इसके बाद अदाणी पोर्ट्स में 13 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गयी। अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस और अदाणी ग्रीन एनर्जी सहित अदाणी ग्रुप के अन्य सभी शेयरों में लगभग 23 फीसदी तक की भारी गिरावट रही।

इससे सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 शेयर गिरावट पर बंद हुए। अदाणी पोर्ट्स, एनटीपीसी, एसबीआई, आईटीसी और एशियन पेंट्स सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले पांच शेयर रहे। इसके अलावा, बजाज फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, बजाज फिनसर्व, रिलायंस, टाटा मोटर्स, टाइटन, एचयूएल, मारुति, एमएंडएम, जेएसडब्ल्यू स्टील, नेस्ले इंडिया, सन फार्मा, भारती एयरटेल और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी गिरावट पर रहे।

दूसरी ओर सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 10 शेयर नीचे आये हैं। पावर ग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक, टाटा स्टील और आईसीआईसीआई बैंक सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, टीसीएस, इंफोसिस, कोटक बैंक, एक्सिस बैंक और टेक महिन्द्रा के शेयर भी लाभ में रहे। आज रियल्टी और आईटी ने अच्छा प्रदर्शन किया, जबकि ऊर्जा, धातु और एफएमसीजी लाल निशान में गिरावट रही। वहीं अदाणी ग्रुप ने अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि वह इसके लिए कानूनी विकल्पों का इस्तेमाल करेगी।

इससे पहले आज सुबह भारतीय शेयर गुरुवार को भारी गिरावट के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 468.17 अंक टूटकर 77,110.21 पर आ गया, निफ्टी 179.75 अंक गिरकर 23,338.75 पर कारोबार करते देखा गया। अदाणी एंटरप्राइजेज समेत अदाणी ग्रुप के कई शेयर गुरुवार को भारी नुकसान के साथ खुले और शुरुआती कारोबार में निचले सर्किट पर पहुंच गए।

नहीं थमेगा विकास का पहिया, 6.5-7 फीसदी की दर से बढ़ेगी जीडीपी

- कुछ क्षेत्रों में धीमी गति हो सकती है, लेकिन अन्य क्षेत्रों से मांग बढ़ रही है

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था के 6.5-7 फीसदी की दर से बढ़ने के अपने अनुमान को दोहराया है। आर्थिक सर्वेक्षण में किए गए पूर्वानुमानों के आधार पर, सरकार का मानना है कि विकास में किसी महत्वपूर्ण गिरावट का जोखिम नहीं है। इसके बावजूद, आर्थिक विशेषज्ञ आगामी जीडीपी आंकड़ों और मांग के संकेतकों पर नजर बनाए हुए हैं। आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ ने हाल ही में एक कार्यक्रम में यह कहा कि कुछ क्षेत्रों में धीमी गति हो सकती है, लेकिन अन्य क्षेत्रों से मांग बढ़ रही है। उन्होंने भी उज्ज्वल ऑटोमोबाइल, उपभोक्ता वस्तुओं और टिकाऊ सामानों की शहरी मांग में गिरावट को जिक्र किया है, लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें किसी बड़ी समस्या की संभावना नहीं नजर आती। इस समय पर सरकार के बयान आया है जब दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़े जारी होने वाले हैं। अजय सेठ ने मुद्रास्फीति पर चिंता को भी खारिज करते हुए कहा कि कुछ खाद्य उत्पादों की कीमतें बढ़ी हैं, लेकिन यह अस्थायी है। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति कोई गंभीर चिंता का विषय नहीं है। सेठ ने सरकार के केंद्रीय कैपेक्स बजट के बारे में भी बात की, कहते हुए कि यह पिछले साल की तुलना में काफी अधिक होगा। सरकार का यह बयान अन्य मुद्दों की तरह उत्साहवर्धक है और विश्वास दिलाता है कि अर्थव्यवस्था में अक्सर होने वाले चुनौतियों का सामना किया जा सकेगा।

अमेरिकी अधिकारियों के आरोपों पर अडानी समूह....... इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करता

मुंबई (ईएमएस)। देश के बड़े कारोबारी समूह अदाणी ग्रुप ने अमेरिकी अधिकारियों के रिश्वतखोरी के आरोपों को खारिज कर इन्हें निराधार बताकर कहा कि समूह सभी कानूनों का अनुपालन करता रहा है। भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी पर अमेरिकी अभियोजकों ने भारत में सौर बिजली के ठेके हासिल करने के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 25 करोड़ डॉलर की रिश्वत देने का आरोप लगाया है। अडानी ग्रुप ने कहा कि वह इस मामले में सभी कानूनी विकल्पों का इस्तेमाल करेगा।

अदाणी समूह के प्रवक्ता ने कहा, अमेरिकी न्याय विभाग और अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) द्वारा अदाणी ग्रीन के निदेशकों के खिलाफ लगाए गए आरोप निराधार हैं और समूह इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करता हैं। अडानी समूह के प्रवक्ता ने अमेरिकी न्याय विभाग के बयान का हवाला दिया जिसमें कहा गया था कि '' अभियोग केवल ''आरोप'' हैं और जब तक दोष साबित न हो तब तक प्रतिवादियों को निर्दोष माना जाएगा।'' प्रवक्ता ने कहा, अदाणी समूह ने हमेशा अपने परिचालन के सभी क्षेत्रों में कामकाज, पारदर्शिता और नियामकीय अनुपालन के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्धता दिखाई है। हम अपने हितधारकों, भागीदारों और कर्मचारियों को आश्वस्त करते हैं कि हमारा एक कानून का पालन करने वाला संगठन है, जो सभी कानूनों का पूरी तरह से अनुपालन करता है।''

सोने की कीमतों में तेजी, चांदी भी चमकी

- सोने का भाव 76,200 रुपए, चांदी 90,500 रुपए के करीब

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने और चांदी के बाजार में तेजी की रफ्तार जारी है। गुरुवार को सोने के वायदा भाव और चांदी के वायदा भाव दोनों ही तेजी के साथ खुले। सोने का वायदा भाव करीब 76,200 रुपये के आसपास और चांदी का वायदा भाव 90,500 रुपये के करीब कारोबार कर रहे है। वै?श्विक बाजारों में भी सोने और चांदी के वायदा में तेजी देखी जा रही हैं। कॉमेक्स पर सोने का वायदा भाव औंस के अनुसार 2,655.10 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार हो रहा है, जिसमें कुछ वृद्धि देखने को मिल रही है। चांदी भी अपने उच्च स्तर पर कारोबार कर रही है, जिसमें 31.08 डॉलर प्रति औंस की तेजी नजर आ रही है। सोने और चांदी के वायदा भावों में वृद्धि की और यह उस संकेत के रूप में देखा जा रहा है कि यह तेजी जारी रह सकती है। सोने के वायदा भाव इस साल के सर्वोच्च स्तर को छूकर 79,775 रुपये के पास पहुंच गए थे, जबकि चांदी ने 1,00081 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर किया था। सोने और चांदी के बाजार में इस तेजी के संकेत से निवेशकों को स्थिर रहकर संभावित मौके का सामना करना होगा। यहां तक कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी के वायदा में तेजी देखी जा रही है।

स्पैम कॉल के खिलाफ शिकायतों में अक्टूबर में आई कमी : ट्राई

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र की मोदी सरकार द्वारा बताया गया कि अक्टूबर में स्पैम कॉल और एसएमएस के खिलाफ शिकायतों में अगस्त के मुकाबले 20 प्रतिशत की कमी देखी गई है। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) के मुताबिक, अक्टूबर में स्पैम कॉल और एसएमएस के खिलाफ शिकायतों की संख्या 1.51 लाख रही है। सितंबर में यह आंकड़ा 1.63 लाख था। यह अगस्त के मुकाबले 13 प्रतिशत कम था।

ट्राई ने 13 अगस्त को निर्देश देकर कहा था कि यदि कोई भी संस्था नियमों का उल्लंघन करते हुए प्रमोशनल वॉयस कॉल करती पाई गई, तब उस कंपनी को सख्त दंड भुगतना होगा। इसमें सभी टेलीकॉम सर्विसेज का विच्छेदन, दो वर्ष तक के लिए ब्लैक लिस्ट में डालना और ब्लैक लिस्ट में डाले जाने की अवधि के दौरान नए संसाधनों के आवंटन पर प्रतिबंध शामिल है। ट्राई ने 20 अगस्त को निर्देश जारी कर अनिवार्य किया कि 1 नवंबर से प्रेषकों/ प्रमुख संस्थाओं से प्राप्तकर्ताओं तक सभी मैसेज ट्रेसेबल हो। सभी टेलीकॉम कंपनियों ने इसके लिए तकनीकी सॉल्यूशंस को लागू किया है।

ट्राई ने कहा कि इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, 13,000 से अधिक प्रमुख संस्थाओं (पीई) ने पहले ही संबंधित एक्सेस प्रोवाइडर्स के साथ अपनी चेन पंजीकृत कर ली हैं, जिससे आगे का पंजीकरण तीव्र गति से जारी है। एक्सेस प्रोवाइडर्स की ओर से उन सभी प्रमुख संस्थाओं और पंजीकृत टेलीमार्केटर (आरटीएम) को वार्निंग नोटिस भेज दिया गया है, जिन्होंने जरूरी बदलावों को लागू नहीं किया है।

दिल्ली का खान मार्केट विश्व के सबसे महंगे खुदरा स्थानों में 22वें स्थान पर: सीएंडडब्ल्यू

- वार्षिक किराया 229 अमेरिकी डॉलर (19,000 रुपये से अधिक) प्रति वर्ग फुट

नई दिल्ली (ईएमएस)। खान मार्केट भारत की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में स्थित वैश्विक सूची में 22वें स्थान पर है जहां वार्षिक किराया 229 अमेरिकी डॉलर (19,000 रुपये से अधिक) प्रति वर्ग फुट है। कुशमैन एंड वेकफील्ड (सीएंडडब्ल्यू) के अनुसार इटली में मिलान का वाया मोंटे नेपोलियोन 2,047 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ग फुट के वार्षिक किराये के साथ विश्व का सबसे महंगा स्थान बन गया है। मेन स्ट्रीट्स अक्रॉस द वर्ल्ड 2024 रिपोर्ट के 34वें संस्करण के अनुसार खान मार्केट की मजबूती और ताकत भारत के खुदरा क्षेत्र को प्रकट करती है। विश्व के शीर्ष खुदरा स्थलों में खान मार्केट की स्थिति उच्चस्तरीय बुटीक द्वारा अमीर खरीदारों को आकर्षित करने की वजह से मजबूत है। न्यू बॉन्ड स्ट्रीट (लंदन), हांगकांग का त्सिम शा त्सुई, पेरिस का एवेन्यू डेस चैंप्स एलिसीस, तोक्यो का गिन्ज़ा, ज्यूरिख का बानहोफ्स्ट्रैस, सिडनी का पिट स्ट्रीट मॉल, सियोल का म्योंगदोंग और विएना के कोहलमार्केट भी इस सूची में विभिन्न स्थानों पर शामिल हैं। खान मार्केट को दुनियाभर में महंगाई और प्रतिस्पर्धा के बावजूद उच्चस्तरीय खुदरा स्थान के रूप में स्थिति बनाए रखने के लिए सम्मानित किया गया है।

आने वालों सालों में वैश्विक निवेश का दूसरा सबसे बड़ा केंद्र बनेगा भारत

-वॉल स्ट्रीट के प्रमुख बैंकर ने की भविष्यवाणी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। वॉल स्ट्रीट के प्रमुख बैंकर और सिटीग्रुप इंक. के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट विश्वास राघवन ने भविष्यवाणी की है कि अमेरिका के बाद भारत अगले कुछ सालों में वैश्विक निवेश का दूसरा सबसे बड़ा केंद्र बन जाएगा। उन्होंने कहा कि 3 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 2531 लाख करोड़ रुपए का निवेश तैयार है, और निवेशक ज्यादा सतर्क होंगे, क्योंकि रिटर्न के अनुमानों के आधार पर सार्वजनिक और निजी बाजारों में निवेश का प्रवाह अलग होगा।

उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका को एक मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने पर जोर दे रहे हैं, बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपनी निवेश योजनाओं में बदलाव कर रही हैं। हालांकि, नीतिगत बदलाव वैश्विक व्यापार व्यवस्था को अस्थिर कर सकते हैं, लेकिन इससे अमेरिका में रोजगार बढ़ने की उम्मीद है। राघवन ने यह भी कहा कि भारत खुद एक बड़ा बाजार है, और ट्रंप की नीतियों के कारण इसे फायदा हो सकता है।

उन्होंने बताया कि ऊर्जा, बुनियादी ढांचा और उपभोक्ता क्षेत्र भारतीय निवेशकों के लिए आकर्षक हो सकते हैं। भारत की विशेषता यह है कि यहां जो भी उत्पाद बनेगा, उसका उपभोग भी भारत में ही होगा, जबकि अन्य देशों में ऐसे उत्पादों को निर्यात करना पड़ता है। भारत की बढ़ती आय, विशाल जनसंख्या, और सरकार की मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने की नीति से आने वाले सालों में निवेश प्रवाह में वृद्धि की संभावना है।

उन्होंने कहा कि भारत जैसे देशों में बढ़ती आय और जनसंख्या की पूरी न होने वाली मांग इसे सबसे आकर्षक बाजार बना देती है। हालांकि, उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि आय में वृद्धि कमजोर है और पिछले कुछ समय में भारतीय शेयर बाजार में कुछ गिरावट आई है। फिर भी राघवन का मानना है कि भारतीय कंपनियां तेजी से बढ़ती संपत्ति और बैंकिंग सुधारों के साथ वैश्विक मंच पर प्रमुख रूप से उभर रही है।

ऑस्ट्रेलिया में बच्चों के सोशल मीडिया बैन की तैयारी

-संसद में बिल पेश, ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देशा

कैनबरा(ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन में जल्द 16 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर बैन लगाया जा सकता है। ऑस्ट्रेलियाई संसद में इसे लेकर एक विधेयक भी पेश किया गया है। बिल के मुताबिक, अगर एक्स, टिकटॉक, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म बच्चों को अकाउंट रखने से रोकने में नाकाम रहते हैं तो उन पर 32.5 मिलियन डॉलर तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

संचार मंत्री मिशेल रोलैंड ने ऑस्ट्रेलिया की संसद में दुनिया का पहला ऐसा बिल पेश किया। इस बिल के मुताबिक, सुरक्षा तय करने की जिम्मेदारी माता-पिता या बच्चों की जगह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की होगी। उन्होंने संसद को बताया कि बहुत से युवा ऑस्ट्रेलियाई लोगों के लिए सोशल मीडिया नुकसानदायक हो सकता है। 14 से 17 साल की उम्र के लगभग 66 प्रतिशत ऑस्ट्रेलियाई लोगों ने ऑनलाइन बहुत हानिकारक कंटेट देखा है, जिसमें नशीली दवाओं का इस्तेमाल, आत्महत्या या खुद को नुकसान पहुंचाना शामिल है।

पक्ष विपक्ष दोनों का बिल को समर्थन

इस विधेयक को लेबर पार्टी और विपक्षी लिबरल पार्टी का समर्थन हासिल है। इसमें माता-पिता की सहमति या पहले से मौजूद खातों के लिए कोई छूट नहीं दी जाएगी। कानून बनने के बाद, प्लेटफॉर्म के पास प्रतिबंध को लागू करने के तरीके पर काम करने के लिए एक साल का वक्त होगा।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अच्छी शुरुआत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

पर्थ (ईएमएस)। भारतीय टीम शुक्रवार को यहां बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ अच्छी शुरुआत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में भारतीय टीम की कप्तान कर रहे जसप्रीत बुमराह का लक्ष्य हाल में न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम को मिली करार हार को भुलाकर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना रहेगा। पिछले कुछ समय में टीम के अनुभवी खिलाड़ियों का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है उससे भी टीम पर दबाव रहेगा। इस मैचम में नियमित कप्तान रोहित शर्मा भी नहीं खेल रहे है। रोहित हाल ही में दूसरी बार पिता बने हैं, ऐसे में वह अपने परिवार के साथ है। इन हालातों में पारी की शुरुआत कर रहे यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल को अच्छी शुरुआत करनी होगी।

इस सीरीज में विराट , आर अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों का प्रदर्शन अहम रहेगा क्योंकि ये अपने कैरियर के अंतिम दौर पर हैं। ऐसे में पांच मैचों की सीरीजउनके भावी करियर की दशा और दिशा तय करेगी। इस सीरीज में भारतीय टीम का पदर्शन तय करेगा कि वह विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में पहुंचती है कि नहीं। भारतीय टीम को इसके लिए ऑस्ट्रेलिया को हर हालत में 4-0 से हराना होगा। वहीं भारतीय टीम के लिए सकारात्मक बात ये है कि टीम की क्षमता पर जब भी सवाल उठे हैं, इसने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिखाया है। बुमराह ने कहा, 'जब आप जीतते हैं तो शून्य से शुरूआत करते हैं लेकिन जब हारते हैं, तब भी तो ऐसा ही होता है। न्यूजीलैंड सीरीज से हमने सबक लिया है लेकिन यहां हालात अलग हैं और यहां हमारे परिणाम अलग रहे हैं।

वहीं दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया की टीम इस सीरीज में जीतकर पिछले एक दशक से इस सीरीज को नहीं जीत पाने के सूखे को समाप्त करना चाहेगी। पहले मैच में भारतीय टीम में नियमित कप्तान रोहित के अलावा , शुभमन गिल भी नहीं होंगे। इसका लाभ भी मेजबान टीम भी उठाना चाहेगी। यहां की पिच उछाल भरी होगी जिसपर मेजबान टीम के गेंदबाजा हावी होने का प्रयास करेंगे।

भारतीय टीम की ओर विराट कोहली, के अलावा ऋषभ पंत और केएल राहुल , यशस्वी जायसवाल जैसे बल्लेबाजों को अधिक से अधिक रन बनाकर ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों पर अंकुश लगाना होगा। यह ऐसी सीरीज होगी जिसमें गेंदबाजों का पलड़ा भारी होगा और बुमराह भारत की कमान भी संभालेंगे। मोहम्मद सिराज और आकाश दीप तेज गेंदबाजी में उनका साथ दे सकते हैं लेकिन प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा भी चयन के दावेदार हैं। टीम संयोजन चाहे जो हो, ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज किसी प्रकार का जोखिम नहीं लेना चाहेंगे। टीम की बल्लेबाजी स्टीव स्मिथ , मार्नस लाबुशेन जैसे खिलाड़ियों पर आधारित रहेगी। इसके अलावा ट्रेविस हेड भी भारत की परेशानी बढ़ा सकते हैं उनका औसत करीब 28 रहा है। उस्मान ख्वाजा को छोडकर कोई आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है। विकेटकीपर एलेक्स कारी और कप्तान पैट कमिंस ने कभी कभार ही अच्छी पारियां खेली है। पहले टेस्ट के लिए पिच में नमी और उछाल को देखते हुए भारतीय टीम ऑलरांडर रविंद्र जडेजा की जगह अनुभवी आर अश्विन को उतार सकती है। वहीं यूवा ऑलराउंडर नीतिश रेड्डी और बल्लेबाज ध्रुव जुरेलको मौका मिल सकता है। ये दोनो ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं। संभावित अंतिम ग्यारह :

भारत : जसप्रीत बुमराह (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन, केएल राहुल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल, रवींद्र जड़ेजा, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप।

ऑस्ट्रेलिया : पैट कमिंस (कप्तान), नाथन मैकस्वीनी, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिशेल मार्श, एलेक्स कैरी, मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, जोश हेजलवुड

नासा ब्लू ओरिजिन, स्पेसएक्स को अनुबंधों के अलावा भी देगा कार्य

लॉस एंजिल्स (ईएमएस)। अमरीकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने चंद्रमा पर कार्गो लैंडर विकसित करने के लिए ब्लू ओरिजिन और स्पेसएक्स को उनके मौजूदा अनुबंधों के अलावा कार्य देने की योजना बनाई है। नासा को उम्मीद है कि सफल डिजाइन प्रमाणन समीक्षा के बाद अपने बड़े कार्गो लैंडर के डिजाइन को परिपक्व करने के लिए वर्तमान मानव लैंडिंग सिस्टम प्रदाताओं, स्पेसएक्स और ब्लू ओरिजिन को प्रदर्शन मिशन सौंपे जाएंगे। इन मिशनों का कार्य नासा द्वारा दोनों कंपनियों से उनके चालक दल वाले मानव लैंडिंग सिस्टम के कार्गो संस्करण विकसित करने के लिए 2023 के अनुरोध पर आधारित

यूक्रेन पर रूस ने गिराईं आईसीबीएम मिसाइलें

- जंग में पहली बार इस हथियार का इस्तेमाल

कीव(ईएमएस)। रूस ने यूक्रेन के दनीप्रो शहर पर गुरूवार की सुबह 5 से 7 बजे के बीच आईसीबीएम मिसाइलों से ताबड़तोड़ हमला किया। इस जंग में पहली बार इंटरकॉन्टीनेंट बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया गया है। संभावना है कि इसके लिए रूस ने आरएस-26 रूबेज मिसाइलों का इस्तेमाल किया हो। जिसे अस्त्राखान इलाके से दागा गया था। वहीं यूक्रेन की इंटेलिजेंस का दावा है कि रूसी सेना देश की राजधानी कीव पर न्यूक्लीयर मिसाइल दागने की तैयारी कर रहा है। इस मिसाइल में कम तीव्रता वाले परमाणु हथियार या खतरनाक पारंपरिक वैपन हो सकते हैं।

यूक्रेन की वायुसेना के अनुसार इंटरकॉन्टीनेंट बैलिस्टिक मिसाइलों के अलावा किंझल हापरसोनिक और केएच-101 क्रूज मिसाइलों से भी हमला किया गया है। यूक्रेनी वायुसेना ने इस बात की पुष्टि की है कि उनके महत्वपूर्ण संस्थानों, इमारतों और ढांचों को नुकसान पहुंचा है। इस हमले में गैर-परमाणु हथियारों का इस्तेमाल किया गया है। क्रूज मिसाइलों को दागने के लिए रूस ने अपने लंबी दूरी के बमवर्षकों का इस्तेमाल किया है। ये बमवर्षक वोल्गोग्राड इलाके से उड़े थे। जबकि किंझल हाइपरसोनिक मिसाइलों को ताम्बोव इलाके से उड़े फाइटर जेट से दागा गया था।

रूस कर सकता है न्यूक्लीयर हमला

यूक्रेन की इंटेलिजेंस का दावा है कि रूसी सेना देश की राजधानी कीव सहित कई क्षेत्रों पर न्यूक्लीयर मिसाइल दागने की तैयारी कर रहा है। इस मिसाइल का वजन 36 हजार किलोग्राम है। इसमें एक साथ 150 से 300 किलो टन के 4 हथियार लगाए जा सकते हैं। यह मिसाइल एक साथ चार टारगेट्स पर हमला कर सकती है और सुपर हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल को ले जाने में भी सक्षम है। इस मिसाइल की रेंज करीब 6000 किलोमीटर है, जो 24,500 किलोमीटर की गति से टारगेट की तरफ बढ़ती है। यानी इसे रोक पाना दुनिया के किसी भी एयर डिफेंस सिस्टम के बस में नहीं है।

प्रवक्ता को क्रेमलिन से आया फोन आईसीबीएम पर कुछ ना कहे....माइक ऑन रहने से खुल गई पोल

मास्को (ईएमएस)। रूस ने यूक्रेन पर आईसीबीएम मिसाइलों से हमला किया। लेकिन आईसीबीएम मिसाइलों से हमले के बारे में कुछ भी बोलने से रूसी प्रवक्ता ने इंकार किया है। दरअसल, रूस की ओर से किए गए हमले के बाद प्रेसवार्ता चल रही थी। इस प्रेसवार्ता को रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा संबोधित कर रही थीं। तभी अचानक क्रेमलिन की ओर से एक फोन आया और उन्हें आईसीबीएम मिसाइल हमले पर कुछ भी बोलने से इंकार किया गया। उनसे कहा गया कि आईसीबीएम हमले पर चुप रहो। लेकिन इस बातचीत के दौरान मारिया माइक ऑफ करना भूल गई, जिसके चलते उनकी आवाज बाहर आ गई।

रूस ने यूक्रेन के शहर पर 21 नवंबर की सुबह 5 से 7 बजे के बीच आईसीबीएम मिसाइलों से ताबड़तोड़ हमला किया। इस जंग में पहली बार इंटरकॉन्टीनेंट बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला हुआ है। संभावना है कि इसके लिए रूस ने आरएस-26 मिसाइलों का इस्तेमाल किया हो।

यूक्रेन ने की हमले की पुष्टि

यूक्रेनी वायुसेना ने हमले की पुष्टि की है। इस मिसाइल के अलावा किंझल हापरसोनिक और केएच-101 क्रूज मिसाइलों से भी हमला हुआ है। यूक्रेनी वायुसेना ने इसकी पुष्टि की है कि उनके महत्वपूर्ण संस्थानों, इमारतों और ढांचों को नुकसान पहुंचा है। इस हमले में गैर-परमाणु हथियारों का इस्तेमाल हुआ है। क्रूज मिसाइलों को दागने के लिए रूस ने अपने लंबी दूरी के बमवर्षकों टीयू-95एमएस का इस्तेमाल किया है। ये बमवर्षक वोल्गोग्राड इलाके से उड़े थे। जबकि किंझल हाइपरसोनिक मिसाइलों को ताम्बोव इलाके से उड़े एमआईजी-31के फाइटर जेट से दागा गया था।

इस बीच रूस ने दावा किया है कि उसके हवाई डिफेंस सिस्टम ने दो ब्रिटिश स्टॉर्म शैडो मिसाइलों को मार गिराया है। इन मिसाइलों को यूक्रेन ने रूस की तरफ दागा था। पहली बार यूक्रेन ने इस मिसाइल का इस्तेमाल रूस के खिलाफ किया था।

समुद्र के अंदर इंटरनेट केबल के कटने की खबर................क्या यूरोपियन देशों के खिलाफ हाइब्रिड युद्ध छेड़ेगा रुस

वाशिंगटन (ईएमएस)। रूस और यूरोपीय देशों में बढ़ते तनाव के बीच बाल्टिक सागर के अंदर इंटरनेट केबल के कटने की खबर सामने आई है जिससे यूरोप के देशों में सुगबुगाहट बढ़ गई है। दूरसंचार कंपनी के अनुसार लिथुआनिया और स्वीडन के बीच एक केबल काट दी गई। वहीं फिनलैंड की दूरसंचार कंपनी सिनिया ने बताया कि फिनलैंड और जर्मनी को जोड़ने वाली उसकी एक केबल भी बाधित हो गई है। गौरतलब है कि अटलांटिक महासागर के हिस्से के रूप में बाल्टिक सागर यूरोपीय देशों और रूस की सीमा से घिरा हुआ है। इसके पहले अमेरिका ने कुछ दिनों पहले ही यह चेतावनी दी थी कि रूस यूरोप के अहम समुद्री बुनियादी ढांचें को निशाना बना सकता है।

रिपोर्ट में बताया कि देश ने काटे गए केबलों पर कथित तौर पर की गई तोड़फोड़ की प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है। फिनलैंड भी मामले को लेकर सख्त और जांच शुरू कर दी गई है। लिथुआनियाई मीडिया ने बताया कि जिस केबल को बाधित किया गया है वह लिथुआनिया की इंटरनेट क्षमता का लगभग एक तिहाई संभालती थी। उन्होंने कहा कि व्यवधान के बाद ट्रैफिक फिर से बहाल किया है।

इस बीच फिनलैंड और जर्मनी के विदेश मंत्रियों ने अपने देशों के बीच केबल के काटे जाने को लेकर गहरी चिंता जताकर इस हाइब्रिड युद्ध का हिस्सा बताया है। फिलहाल जांच चल रही है। यूरोप पर यूक्रेन का साथ देने के बदले में रूस आक्रामक युद्ध छेड़ सकता है। हमारे खिलाफ हाइब्रिड युद्ध का भी खतरा है।

शुरुआती जांच से परिचित अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि अभी तक इस तरह की गतिविधि के कोई संकेत नहीं मिले हैं न ही समुद्र तल के बुनियादी ढांचे को जानबूझकर नुकसान पहुंचाया गया है। अमरीकी जांच अधिकारियों के मुताबिक यह संभवत: एक गुजरते जहाज से खींचे गए लंगर की वजह से हुआ था। रूस हाल के महीनों में अंडर सी केबल में दिलचस्पी दिखा रहा है। रूस अपने तटों से दूर महत्वपूर्ण समुद्री बुनियादी ढांचे के करीब गश्त भी कर रहा है। अमेरिका का मानना है कि रूस अपनी गुप्त समुद्री यूनिट को मजबूत कर रहा है।

यूरोपीय सुरक्षा अधिकारी और विशेषज्ञ महीनों से चेतावनी दे रहे हैं कि रूस यूरोप के खिलाफ हाइब्रिड युद्ध छेड़ रहा है। इस जानकार ने कहा कि रूस नाटो के साथ पूर्ण युद्ध के विकल्प के रूप में इस तरह की तरकीबों का उपयोग कर रहा है जो रूस के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। रूस नाटो को उकसा कर उसके सिद्धांत कि एक सदस्य देश के खिलाफ हमला पूरे गठबंधन के खिलाफ हमला है को चुनौती देने की कोशिश कर रहा है।

रूस की नई परमाणु नीति से डरी दुनिया, परमाणु युद्ध का संकट

मॉस्को (ईएमएस)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने देश की परमाणु नीति में बदलाव किया है। इस बदलाव से पूरी दुनिया में दहशत का माहौल है। इन बदलावों ने वैश्विक सुरक्षा को लेकर नए सिरे से चिंताएं पैदा कर दी हैं, खास तौर से तब जब यूक्रेन का युद्ध बढ़ता जा रहा है। नए नियमों के अनुसार, किसी भी परमाणु ताकत की ओर से समर्थित देश अगर रूस पर हमला करता है तो इसे उनके देश पर संयुक्त हमला माना जाएगा। पुतिन की नई परमाणु नीति के मुताबिक रूस पर कोई भी बड़ा हवाई हमला परमाणु प्रतिक्रिया को जन्म दे सकता है। पुतिन ने परमाणु नीति में बदलाव रूस-यूक्रेन युद्ध के 1000वें दिन पर किया था। साथ ही बदलाव ऐसे समय में किया गया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने यूक्रेन को अमेरिका की सप्लाई की हुई मिसाइलों के जरिए रूस में हमला करने की इजाजत दी है। मंगलवार को रूस ने यह भी दावा किया कि यूक्रेन ने छह अमेरिकी मिसाइलों से उसके ब्रांस्क क्षेत्र में हमला किया है। इस हमले के बाद अब रूस सीधे तौर पर नाटो और अमेरिका के समक्ष खड़ा हो गया है। नई परमाणु नीति के मुताबिक मॉस्को रूस या उसके सहयोगियों के खिलाफ परमाणु और सामूहिक विनाश के अन्य प्रकार के हथियारों के इस्तेमाल के जवाब में न्यूक्लियर हथियार चला सकता है। इसके अलावा उस स्थिति में भी परमाणु हथियार इस्तेमाल हो सकते हैं जहां रूस और बेलारूस के खिलाफ पारंपरिक हथियारों से होने वाले हमले में देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को खतरा हो सकता है। रूस या उसके सहयोगियों के क्षेत्र को निशाना बनाकर बैलिस्टिक मिसाइलों को लॉन्च किए जाने की विश्वसनीय जानकारी मिलने पर न्यूक्लियर हथियार इस्तेमाल किया जा सकता है। परमाणु हथियार या सामूहिक विनाश के अन्य हथियार रूस उसके सहयोगियों या विदेशों में रूसी सैन्य इकाइयों पर हमले के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। रणनीतिक और सामरिक विमानों, क्रूज मिसाइलों, ड्रोन, हाइपरसोनिक या अन्य उड़ान वाहनों के टेकऑफ या लॉन्च होने और उनके रूसी सीमा पार करने की जानकारी पर भी परमाणु हमला किया जा सकता है। रूस का नया परमाणु सिद्धांत यूक्रेन युद्ध में नई अनिश्चितताओं को पैदा करता है। हालांकि इस नए दस्तावेज के बावजूद बाइडन प्रशासन के अधिकारियों ने रूस के परमाणु रुख में तुरंत कोई बदलाव नहीं देखा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि रूस यूक्रेन से युद्ध के बावजूद परमाणु हथियार इस्तेमाल नहीं करेगा।

सिंध प्रांत में हिंदू लड़की को अगवा कर की शादी, पुलिस ने छुड़ाकर परिवार को सौंपा

करांची,(ईएमएस)। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के ग्रामीण क्षेत्रों में अल्पसंख्यक समुदाय के लिए नाबालिग और किशोर लड़कियों का अपहरण, जबरन धर्मांतरण और विवाह एक बड़ी समस्या बनी हुई है। सिंध प्रांत में एक अल्पसंख्यक लड़की को अगवा करके उसकी शादी एक मुस्लिम व्यक्ति से कराने का मामला सामने आया है।

मीडिया रिपोर्ट में पाकिस्तान दरावर इत्तेहाद के अध्यक्ष शिवा काछी ने बताया कि पिछले सप्ताह मीरपुरखास के कोट गुलाम मुहम्मद गांव में उसके घर के बाहर से हिंदू लड़की को अगवा कर लिया और फिर उसकी शादी शाहिद तालपुर से कर दी, लेकिन जब इसकी शिकायत की गई तो एसएसपी पुलिस अनवर अली ने सख्त कार्रवाई करते हुए लड़की को बरामद कर उसके घर वालों को सौंप दिया और शाहिद पर कार्रवाई की बात कही।

शिवा काछी ने बताया कि संघर में एक 15 साल की हिंदू लड़की की मुस्लिम व्यक्ति से जबरन शादी करा दी गई, जिसे अभी तक बरामद नहीं किया जा सका है। शिवा ने बताया कि अधिकारियों की मिलीभगत से फर्जी दस्तावेज तैयार किए जाते हैं और जब पीड़ित के माता-पिता/वकील मामला कोर्ट में ले जाते हैं तो उन्हें अदालत में पेश कर दिया जाता है।

दुनिया भर में लोकप्रिय हो रही बार्बी डॉल जैसी नाक वाली सर्जरी

न्यूयार्क सिटी (ईएमएस)। बार्बी नोज पाने के लिए महिलायें बड़ी संख्या में सर्जरी करा रही हैं। यह सर्जरी अब ग्लोबल प्लास्टिक सर्जरी इंडस्ट्री का हॉट ट्रेंड बन चुकी है। न्यू यॉर्क की रहने वाली 25 साल अलेक्जेंड्रिया लिंटन ने तुर्की के मशहूर सर्जन डॉक्टर एरडी ओजडेमिर से यह सर्जरी करवाई और अब वह अपनी ट्रांसफॉर्मेशन जर्नी को शेयर कर रही हैं।

क्या है बार्बी नोज सर्जरी

यह नाक का एक खास ट्रांसफॉर्मेशन है, जिसमें नाक पतली, सीधी और हल्के से ऊपर की ओर उठी हुई दिखाई देती है, जो बिल्कुल बार्बी डॉल की नाक जैसी होती है। न्यू यॉर्क के प्रसिद्ध डॉक्टर एरी होशेंडर बताते हैं कि इस नोज को पाने के लिए नाक की त्वचा को हड्डी और कार्टिलेज से उठाकर शेप दिया जाता है। अलेक्जेंड्रिया बताती हैं कि उन्होंने यह सर्जरी करवाने का ख्वाब पिछले छह सालों से देखा था और आखिरकार इसे करवा लिया। उनका मानना है कि हर किसी को वही करना चाहिए, जिससे वह आत्मविश्वास और खुशी महसूस करें। सर्जरी से कोई गुरेज नहीं करना चाहिए। अमेरिका में बार्बी नोज हैशटैग इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल है और लोग इस सर्जरी के जरिए बार्बी नोज शेप पाने के लिए ब्यूटी सर्जरी करवाने लगे हैं। हालांकि, कुछ आलोचक इसे सोशल मीडिया का दबाव मानते हैं और कहते हैं कि यह महिलाओं पर अप्राकृतिक सुंदरता के मानक थोप रहा है, लेकिन अलेक्जेंड्रिया का कहना है कि यह उनका व्यक्तिगत निर्णय था और वे पूरी तरह से इससे खुश हैं।

तुर्की में होती है सस्ती सर्जरी

अलेक्जेंड्रिया एक ब्यूटी सर्जरी ग्रुप की रीजनल बिजनेस मैनेजर हैं। उन्होंने ने अपनी सर्जरी तुर्की के डॉक्टर एरडी ओजडेमिर से करवाई है। न्यूयॉर्क में इस सर्जरी की कीमत 10,000 से 30,000 डालर है, तुर्की में मात्र 4,100 डॉलर में यह सर्जरी हो जाती है।

पाकिस्तान-चीन चलाएंगे सैन्य अभियान, बलूचों को निशाना बनाने की तैयारी?

-पिछले कुछ महीने में बलूचों ने चीन के खिलाफ कई खूनी हमले किए

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने बलूचों के खिलाफ बड़ा सैन्य अभ्यास चलाने का ऐलान किया है। शहबाज ने कहा कि बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवादी हमले बढ़ रहे हैं। आतंकवादियों के खात्मे के लिए निर्णायक कार्रवाई की जाएगी ताकि पाकिस्तान में शांति और प्रगति को सुनिश्चित किया जा सके। चीन लंबे समय से पाकिस्तान से कहता रहा है कि वह बलूचों और टीटीपी के खिलाफ बड़ा सैन्य अभियान चलाए। पिछले कुछ महीने में बलूचों ने चीन के खिलाफ कई खूनी हमले किए हैं जिसमें कई चीनी इंजीनियर मारे गए हैं। इससे बौखलाए चीन ने सेना भेजने के लिए पाकिस्तान पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। चीन के सैनिक अभ्यास के नाम पर अब पाकिस्तान आ रहे हैं।

शहबाज शरीफ ने एक बैठक में सुरक्षा हालात पर चर्चा की गई। शहबाज ने आतंकवाद को बड़ी चुनौती बताया और कहा कि आतंकियों को कुचलना देश की स्थिरता के लिए जरूरी है। शहबाज शरीफ ने बलूचिस्तान में सक्रिय विद्रोही गुटों जैसे माजिद ब्रिगेड, बीएल, बीएलएफ आदि के खिलाफ व्यापक सैन्य अभियान शुरू करने को मंजूरी दे दी। उन्होंने कहा कि ये गुट विदेशी ताकतों की मदद से आम नागरिकों और विदेशियों को निशाना बना रहे हैं जिससे पाकिस्तान के आर्थिक विकास पर असर पड़ रहा है।

पाकिस्तान में इमरान खान की पार्टी खैबर प्रांत में किसी भी सैन्य अभियान का कड़ा विरोध कर रही है। खैबर प्रांत के सीएम ने तो खुलकर इसके खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। अगर पाकिस्तानी सेना इस अभियान को शुरू करती है तो उसे भारी विरोध का सामना करना पड़ेगा। माना जा रहा है कि चीन को खुश करने के लिए शहबाज ने इस सैन्य अभियान का ऐलान किया है।

शहबाज ने यह ऐलान ठीक उसी दिन किया जब चीन की सेना ने कहा कि वह पाकिस्तान जा रही है। चीन का दावा है कि वह पाकिस्तानी सेना के साथ नवंबर से दिसंबर के बीच एक संयुक्त सैन्य अभ्यास चलाएगी। चीनी सेना पीएलए के पश्चिमी थिएटर कमांड के सैनिक पाकिस्तान जाएंगे और वारियर 3 संयुक्त आतंकवाद निरोधक अभ्यास में भाग लेंगे। इस अभ्यास में आतंकवादियों के खात्मे और हमला करने का अभ्यास किया जाएगा।

माना जा रहा है कि इस अभ्यास के नाम पर बलूचों को निशाना बनाया जा सकता है। पाकिस्तानी सेना लगातार चीनी नागरिकों पर हो रहे हमले को रोकने में नाकाम रही है और इससे चीन बौखलाया है। बलूचों ने साफ कह दिया है कि वे चीन और पाकिस्तान के सीपीईसी प्राजेक्ट को आगे नहीं बढ़ने देंगे।

मात्र 15 स्थानों पर उपलब्ध औषधीय गुणों से युक्त ये दुर्लभ पेड़ राज्यभर में लगाए जाएंगे

अहमदाबाद (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्लोबल वॉर्मिंग की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए पर्यावरण की रक्षा के उम्दा उद्देश्य के साथ देशभर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान शुरू किया है। उन्होंने इस अभियान द्वारा लोगों को अपनी माता के साथ मिल कर या माता को श्रद्धांजलि के रूप में एक पेड़ लगाने की प्रेरणा दी है। प्रधानमंत्री के इस विजन को मिशन मोड में साकार करने को संकल्पबद्ध है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत गुजरात में ग्रीन कवर की वृद्धि के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया जा रहा है। मार्च-2025 तक गुजरात में 17 करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान अंतर्गत पंचमहाल जिले की हालोल नगर पालिका (नपा) ने एक विशेष प्रयास किया है और अपने प्रकृति प्रेम को स्वर्णिम अवसर में बदला है। हालोल नगर पालका तथा पंचमहाल वन विभाग द्वारा समग्र गुजरात की नगर पालिकाओं में पेड़ की दुर्लभ प्रजाति कृष्णवड (कृष्णबड़) उगाने का विशिष्ट कार्य शुरू किया गया है।

डाकोर से द्वारका तक पर्यावरण प्रेम का संदेश देगा 'कृष्णवड अभियान'

'सर्वे भवन्तु सुखिनिः' के भाव से नागरिकों के लिए हमेशा कार्यरत रहने वाली हालोल नगर पालिका ने इस वडवृक्ष यात्रा की शुरुआत गत 27 अगस्त, 2024 को नंद महोत्सव के दिन कृष्णमय भूमि डाकोर से की थी। पेड़ों की दुर्लभ प्रजातियों के संरक्षण का बीड़ा उठाने वाली हालोल नपा की मुख्य अधिकारी श्री हिरलबेन ठाकोर ने अधिक से अधिक लोगों का इस अभियान में शामिल होने का आह्वान किया है। प्रकृति की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने वालीं श्री हिरलबेन ने 'मिशन कृष्णवड' के विचार बीज के विषय में बताया, ''हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रभाई मोदी द्वारा शुरू किए गए 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत मुझे पेड़ों की दुर्लभ व लुप्तप्राय प्रजातियों को विकसित करने का विचार आया। कृष्णवड पेड़ की वह भारतीय प्रजाति है, जो गुजरात में केवल 15 स्थानो पर उपलब्ध है। मैंने अपने खेत में लगाए कृष्णवड की डालियाँ काट कर हालोल में राणीपुरा स्थित फॉरेस्ट नर्सरी को दीं और उन्होंने कृष्णवड की 200 से अधिक पौधे विकसित कर इस वडवृक्ष यात्रा को गति दी। नगरपालिकाओं के क्षेत्रीय आयुक्त एस. पी. भगोरा, वन विभाग की विभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) डॉ. मीनल जानी, रेंज वन अधिकारी (आरएफओ) निधि दवे तथा हालोल वन विभाग के फॉरेस्टर रोहित मकवाणा के सहयोग से यह अभियान संभव हुआ है।''

'मिशन कृष्णवड' : 157 नगर पालिकाओं में दुर्लभ प्रजाति के पौधे लगाए जाएंगे

प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान अंतर्गत हालोल नपा की दुर्लभ कृष्णवड पेड़ लगाने की पहल एक विचार बीच से वटवृक्ष बनने जा रही है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य कृष्णवड को लुप्तप्राय प्रजाति की वृत्त से बाहर लाना है। इस अभियान के अंतर्गत आगामी 26 जनवरी, 2025 तक राज्य की सभी 157 नगर पालिकाओं में वृक्षारोपण किया जाएगा और कृष्णवड जैसी रेयर प्रजाति के संरक्षण के साथ प्रकृति की रक्षा का संदेश अधिकतम् लोगों तक पहुँचेगा। इस अभियान अंतर्गत वडोदरा जोन की सभी नगर पालिकाओं में कृष्णवड का रोपण हो चुका है तथा गुजरात के अन्य 5 जोन की नगर पालिका क्षेत्रों में मिला कर कुल 40 कृष्णवड लगाए गए हैं। डाकोर से शुरू हुई यह वडवृक्ष यात्रा 25 जनवरी, 2025 को भगवान श्री कृष्ण की नगरी द्वारका में सम्पन्न होगी। हालांकि श्री हिरलबेन ठाकर कहती हैं कि एक प्रकृति प्रेमी के रूप में यह यात्रा तो अनावरत ही रहेगी।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत कृष्णवड का चयन क्यों किया गया ?

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण के लिए हालोल नपा ने कृष्णवड का ही चयन क्यों किया ? इस प्रश्न का उत्तर देते हुए श्री हिरलबेन ठाकर कहती हैं, ''प्रकृति परमात्मा है। सनातन संकृति में प्रकृति को पूजा जाता है। भगवान श्री कृष्ण ने भी गीता में कहा है, 'मैं वृक्षों में अश्वथः यानी पीपल हूँ।' कृष्ण के साथ जुड़ा वृक्ष यानी वडवृक्ष। वड (बरगद/बड़) तो धार्मिक के अलावा वैज्ञानिक दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण है। इसी कारण इस दुर्लभ वनस्पति के संरक्षण का संदेश पहुँचाना आवश्यक है।''

अनेक औषधीय गुणों से युक्त कृष्णवड का दूसरा नाम 'माखण कटोरा वड' कैसे पड़ा ?

बड़ की विशेषता यह है कि इसमें अनेक औषधीय गुण हैं। इस कारण यह स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायी है। चर्म रोग, दंत रोग, मधुमेह के निवारण के लिए यह बड़ काफी उपयोगी है। बरगद की पत्तियों में प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम तथा फॉस्फरस जैसे पोषक तत्व होते हैं और हिन्दू धर्म में तो बड़ की पेड़पूजा भी की जाती है। बड़ की जड़ों का दतून दाँतों का हिलना बंद कर देता है और निःसतान स्त्रियों के लिए बड़ का दूध दवाई के रूप में उपयोग में लिया जाता है। बरगद के फल पर कई पक्षियों का जीवन निर्भर है। कृष्णवड भी बड़ की ही एक दुर्लभ प्रजाति है, जिसे पूरी तरह विकसित होने में वर्षों लगते हैं। दिलचस्प बात यह है कि कृष्णवाड के साथ एक किवदंती जुड़ी हुई है, जिसके अनुसार कृष्णवड के पत्ते मुड़ हुए होने यानी कटोरे की भाँति होने के कारण भगवान श्री कृष्ण उस कटोरे में मक्खन छिपा कर रखते और खाते थे। इसी कारण कृष्णवड को माखण कटोरा वड यानी मक्खन कटोरा बड़ भी कहा जाता है।

घर में लगी आग में दिव्यांग युवती की जलकर मौत

सूरत (ईएमएस) शहर के पांडेसरा बमरोली रोड स्थित एक घर में बीती रात लगी आग में जलकर एक दिव्यांग युवती की मौत हो गई। घटना के वक्त युवती घर के पिछले रूम में सो रही थी, जबकि उसकी माता आगे कमरे में थी। आग लगी तो माता तो बच गई लेकिन अपनी बेटी को नहीं बचा सकीं। दमकल कर्मियों के पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पा लिया। जानकारी के मुताबिक सूरत के पांडेसरा बमरोली रोड स्थित सत्यनारायणी गली के 248 नंबर के घर में रहनेवाले राकेश तिवारी डाइंग मिल में नौकरी करते हैं। बीती रात राकेश तिवारी नाइट शिफ्ट में नौकरी पर गए थे। उस वक्त उनकी पत्नी पार्वती तिवारी और इकलौती संतान में 24 साल की दिव्यांग बेटी अंजली घर में सो रही थी। पार्वती तिवारी घर के अगले कमरे में सो रही थी, जबकि अंजली पिछले रूम में थी। आज तड़के करीब 4 बजे घर में अचानक आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपने आगोश में ले लिया। आग की घटना आसपास के लोगों में अफरातफरी मच गई और तुरंत फायर विभाग को जानकारी दी। घर में लगी आग से पार्वती तिवारी तो किसी प्रकार को खुद को बचा लिया, लेकिन बेटी अंजली को बचा नहीं पाई। अंजली की आग में जलने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दमकलकर्मियों के घटनास्थल पर पहुंचने से पहले ही आसपास के लोगों ने आग पर काबू पा लिया। आग की इस घटना में नकद रु. 15000 समेत घरेलू सामान जलकर स्वाहा हो गया।

सूरत में उतरने से पहले चाइनीज रस्सी से बाइक सवार का गला काट दिया गया

सूरत, मकर संक्रांति अभी दो महीने दूर है। सूरत में मांझा कारीगर अभी से डोर बनाने में जुट गए हैं। राज्य में चाइनीज फीते पर प्रतिबंध के बावजूद यह खुलेआम उपलब्ध है। उत्तरायण के दौरान तंत्र केवल नाम मात्र के लिए कार्य करता है। सूरत के अमरोली इलाके में एक ओवरब्रिज से गुजरते समय एक मोटरसाइकिल चालक का चाइनीज डोर से गला घोंट दिया गया। रस्सी का घाव इतना गंभीर था कि गर्दन की तीन नसें कट गईं। इस युवक को गंभीर चोट की हालत में इलाज के लिए शिफ्ट किया गया था।

हीरे फैक्ट्री में अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत एक युवक मोटरसाइकिल लेकर अमरोली-सायण रोड स्थित ओवरब्रिज से मोटा वराछा की ओर जा रहा था। इसी दौरान उसके गले में अचानक चाइनीज डोर घुस जाने से गर्दन की तीन नसें कट गईं। मस्तिष्क तक जाने वाली नसें कट जाने के कारण युवक को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। उनकी हालत गंभीर होने के कारण उन्हें आईसीयू में स्थानांतरित कर दिया गया।

घायल युवक को इलाज के लिए पास के निजी अस्पताल में ले जाया गया, लेकिन वहां से उसे तुरंत किरण अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने गर्दन के पास से कटी हुई दिमाग तक जाने वाली तीन नसों को जोड़कर उसे नई जिंदगी दी। डॉक्टर ने पुलिस को बताया कि अगर उसे समय पर इलाज नहीं मिलता तो उसे बचाना नामुमकिन था। मकर संक्रांति के त्योहार से पहले ही लोगों का गला डोरियों से काटा जाना शुरू हो गया है।

अब गुजरात में फर्जी मेडिकल इंस्टीटयूट, दुकानों में चल रही फर्जी संस्था!

सूरत में फर्जी मेडिकल इंस्टीटयूटः खुलासा हुआ कि सूरत में पुना पाटिया के पास एक कॉम्प्लेक्स में 12 बाय 20 के कमरे में नर्सिंग और एक्स-रे तकनीशियन पाठयक्रम चल रहे थे। चूंकि पैरामेडिकल काउंसिल में ऐसी कोई संस्था पंजीकृत नहीं थी, जिसकी जांच छात्र संघ ने की थी, इसलिए एक और फर्जी संस्था जुड़ गई, जिसके फर्जी होने का आरोप लगाया गया।

छात्रों से रु. 80 हजार फीस ली गई

सूरत के पुणे इलाके में ला सिटाडेल कॉम्प्लेक्स के एक कमरे में जीवनदीप मेडिकल इंस्टीटयूट चलाया जा रहा था. 12 बाय 20 के कमरों में नर्सिंग कोर्स, डिप्लोमा इन मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी (डीएमएलटी), सीटी स्कैन जैसे तकनीशियन पाठयक्रम संचालित किए जा रहे थे। छात्रों से शिकायत मिली थी कि इस संस्था द्वारा दस्तावेज लेने के बाद वापस नहीं किया जाता था और प्रति छात्र 80 हजार रुपये शुल्क लिया जा रहा था. इसकी शिकायत मिलने के बाद युवा कांग्रेस के नेताओं ने मौके पर जाकर जांच की. जांच में पता चला कि 15 से 20 छात्रों के बैठने के लिए पर्याप्त बेंच थी. इसके अलावा छात्रों को परीक्षा देने के लिए बेंगलुरु जाना पड़ता है.

युवा कांग्रेस ने उचित कार्रवाई की मांग की

यूथ कांग्रेस के नेताओं ने जब पैरामेडिकल काउंसिल गुजरात के हेल्प लाइन नंबर पर फोन किया तो पता चला कि ऐसी कोई मान्यता प्राप्त संस्था ही नहीं है. युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि संगठन फर्जी है। सरकार इस भोगस संस्था के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करना चाहती थी और छात्रों का भविष्य अंधकारमय न हो इसके लिए उचित कदम उठाना चाहती थी।

111 करोड़ की ठगी का भंडाफाड़

सूरत(ईएमएस)। सूरत पुलिस की साइबर सेल ने कुछ दिनों पहले इंटरनेशनल गैंग के साइबर फ्रॉड मामले का भंडाफोड़ किया था। यह केस 111 करोड़ की धोखाधड़ी से जुड़ा है। इस मामले में सूरत साइबर सेल ने दो और लोगों को अरेस्ट किया है। पुलिस का कहना है कि इन आरोपियों ने साइबर फ्रॉड के लिए इस्तेमाल होने वाले तकरीबन 125 बैंक अकाउंट गैंग के लोगों को कमीशन के आधार पर मुहैया कराए थे। सूरत क्राइम ब्रांच और साइबर सेल के डीसीपी भावेश रोजिया ने बताया कि सूरत शहर के सरथाना और मोटा वराछा इलाके में छापेमारी कर इंटरनेशनल साइबर फ्रॉड के रैकेट का भंडाफोड़ किया गया था।

सूरत-वडोदरा हाईवे पर ट्रिपल एक्सीडेंट, रिप्लेसमेंट ऑर्डर लेने जा रहे दो GEB कर्मचारियों की मौत

सूरत-वडोदरा हाईवे पर सड़क दुर्घटनाः प्रदेश भर में हर दिन दुर्घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। गुजरात के हाईवे खूनी होते जा रहे हैं. फिर सूरत-वडोदरा हाइवे पर तिहरा हादसा हुआ है. इस हादसे में उँके दो कर्मचारियों की मौत हो गई. हादसा होते ही आसपास से बड़ी संख्या में लोग दौड़ पड़े, वहीं ट्रिपल एक्सीडेंट से जाम लग गया। हालांकि, काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने ट्रैफिक हटाकर हाईवे दोबारा खोल दिया।

मिली जानकारी के मुताबिक, सूरत-वडोदरा हाईवे पर सावा पाटिया इलाके में ट्रक और बाइक तथा पूरी रफ्तार से आ रहे एक अन्य वाहन के बीच भीषण टक्कर हो गई. इस हादसे में बाइक सवार दो जीईबी कर्मचारियों की मौत हो गई. अमोल पाटिल और प्रजनेश पटेल उस समय दुर्घटना का शिकार हो गए जब वे सूरत से वडोदरा ट्रांसफर ऑर्डर लेने जा रहे थे।

ट्रक और बाइक की टक्कर के बाद आसपास से लोगों की भीड़ दौड़ पड़ी. बड़ी संख्या में लोगों के जमा होने से सूरत-वडोदरा हाईवे पर ट्रैफिक जाम के हालात बन गए और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं. हालांकि, मौके पर पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद सड़क खुलवाकर ट्रैफिक को संभाला और हाईवे को चालू कराया. पुलिस दुर्घटना का मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है.

खेड़ा में पुलिसकर्मी के खिलाफ छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज, पुलिस ने की जांच

खेड़ा न्यूज़ः खेड़ा जिला पुलिस में कार्यरत पुलिस अधिकारी यशपाल सिंह झाला के खिलाफ बलात्कार की शिकायत दर्ज की गई है। वेस्ट थाने में एक महिला ने छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के बाद पुलिस जांच कराई गई है.

मिली जानकारी के मुताबिक खेड़ा में एक महिला ने एक पुलिस अधिकारी पर रेप की शिकायत दर्ज कराई है. जिसमें महिला ने खेड़ा जिले के थाने में कार्यरत पुलिस अधिकारी के खिलाफ छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज कराई है. वहीं पुलिस पूरे मामले में आगे की जांच करेगी.

आवारा पशुओं का आतंक, प्रशासन की लापरवाही से एक और युवक ने गंवाई जान

भावनगर (ईएमएस) राज्य के शहरों में आवारा पशुओं का आतंक दिन ब दिन बढ़ता जा रहा है। स्थिति यह हो गई है कि लोगों को बाहर निकलने पर काफी मुश्किलों सामना करना पड़ता है। आवारा पशुओं का कहीं सड़कों पर डेरा होता है तो कहीं आते-जाते राहगीर पर हमला कर देते हैं। ऐसी घटनाओं में कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, इसके बावजूद स्थानीय प्रशासन इस समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं करती। भावनगर से ऐसी ही एक घटना सामने आई है, जिसमें आवारा सांड के हमले में एक और युवक की जान चली गई। केवल भावगर में आवारा पशुओं की चपेट में आकर अब तक 8-10 लोगों की जान जा चुकी है। भावनगर के तलाजा में देवराज सरवैया नाम का युवक वेलावदर से तलाजा आ रहा था तभी एक आवार सांड ने उस पर हमला कर दिया। इस घटना में देवराज की दर्दनाक मौत हो गई। युवक की मौत से उसके परिवार में मातम छा गया। बता दें कि भावनगर शहर और जिले में आवारा मवेशियों की क्रूरता दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। भावनगर शहर के पूर्व मेयर मेहुल वडोदरिया भी एक बैल द्वारा कुचले जाने से गंभीर रूप से घायल हो गए। पूर्व महापौर मेहुल वडोदरिया बाइक से रूपाणी सर्कल के पास जा रहे थे, तभी अचानक एक सांड उनके ऊपर कर दिया और वे सड़क पर गिर पड़े। मेहुल वडोदरिया के सिर और हाथ पर चोट लगी है और उन्हें इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शहर के अधिकांश हिस्सों में आवारा मवेशियों का आतंक जानलेवा साबित होता जा रहा है। लेकिन नगर निगम की ओर से कोई कार्रवाई नहीं किये जाने से लोगों में काफी आक्रोश है।

सेलिब्रिटी स्कैंडल के आरोपी कार्तिक पटेल और चिराग राजपूत के घर से शराब की बोतलें मिलीं

ख्याति अस्पताल मामलाः अहमदाबाद के ख्याति अस्पताल घोटाले को लेकर सोला सिविल अस्पताल के सिविल सर्जन ने वस्त्रपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है. जिसमें पुलिस डॉ. प्रशांत वजिरानी को गिरफ्तार कर लिया गया है. जहां अन्य फरार आरोपियों के घरों पर सघन तलाशी ली जा रही है, वहीं ख्याति हॉस्पिटल के सीईओ चिराग राजपूत और आरोपी कार्तिक पटेल के घर से महंगी शराब की बोतलें बरामद की गई हैं. पुलिस ने केस दर्ज कर पूरे मामले की जांच की.

चिराग राजपूत के घर से शराब की बोतलें मिलीं

जानकारी के मुताबिक, ख्याति अस्पताल घटना में पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों को पकड़ने के लिए गहन जांच की जा रही है. पुलिस ने अस्पताल के सीईओ चिराग राजपूत की उनके घर पर जांच की. जिसमें चिराग के घर में शराब की बोतलों से भरी अलमारी मिली. जिस अलमारी में महंगी शराब की बोतलें मिलने से उस नामी अस्पताल के डॉक्टरों और संचालकों पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं.

जबकि ख्याति हॉस्पिटल के चेयरमैन कार्तिक पटेल के घर से शराब की दो बोतलें और पोकर खेलने के उपकरण भी मिले हैं. वस्त्रापुर पुलिस ने इस कांड के आरोपी कार्तिक पटेल के खिलाफ दो शिकायतें दर्ज की हैं.

डॉ। प्रशांत वजिरानी की चार दिन की रिमांड मंजूर

सोला सिविल अस्पताल के एक सिविल सर्जन ने ख्याति अस्पताल की घटना के संबंध में वस्त्रपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। जिसके बारे में वस्त्रापुर पुलिस डॉ. प्रशांत को गिरफ्तार कर लिया गया. इससे पहले पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर 14 दिन की रिमांड की मांग की, जिसमें कोर्ट ने आरोपी की सात दिन की रिमांड मंजूर कर ली. अब गुरुवार को पुलिस ने पूरी घटना के संबंध में आगे की पूछताछ के लिए आरोपी को दोबारा कोर्ट में पेश किया और सात दिन की रिमांड की मांग की. जिसमें कोर्ट ने आरोपी डॉ. प्रशांत वजीरानी की 25 नवंबर शाम 4 बजे तक रिमांड मंजूर.

पूरे गुजरात में ठंड का प्रकोप; 14.1 डिग्री के साथ नलिया सबसे ठंडा शहर है

अहमदाबादः गुजरात में ठंड बढ़ती जा रही है. प्रदेश में सुबह और रात के समय ठंड पड़ रही है। इस बीच मौसम विभाग ने राज्य में सर्दी की भविष्यवाणी की है. चूँकि आज 21 नवंबर को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के दक्षिण में अंडमान सागर के ऊपर एक चक्रवात बनने की संभावना है, 23 नवंबर तक ठंड की तीव्रता बढ़ सकती है।

मौसम विभाग के अहमदाबाद केंद्र के निदेशक ने अनुमान जताया है कि गुजरात में चार से पांच दिनों तक तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा, लेकिन तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है. प्रदेश में ठंड का जोर बढ़ गया है. जिसमें न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री की गिरावट आयी है. उत्तर-पश्चिमी हवाएं ठंडी हो जाएंगी।

नालिया में सबसे बढ़िया शहरः

बुधवार को 14 डिग्री के साथ नलिया राज्य का सबसे ठंडा शहर बन गया। इसके अलावा कांडला एयरपोर्ट पर 15 डिग्री तापमान दर्ज किया गया. जबकि अहमदाबाद में न्यूनतम तापमान 19 डिग्री, गांधीनगर में 17 डिग्री, डिसा में 16 डिग्री, राजकोट में 16 डिग्री, भावनगर में 19 डिग्री, सूरत में 21 डिग्री, वडोदरा में 17 डिग्री रहा।

अहमदाबाद में सुबह-सुबह ठंड

राज्य में तापमान घटने के साथ-साथ अहमदाबाद शहर का तापमान भी कम हो रहा है। और माहौल ठंडा है. हालांकि, दोपहर में अभी भी गर्मी महसूस हो रही है। हालांकि, कुल तापमान ठंडा होने से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। अहमदाबाद शहर में सुबह और देर शाम को ठंड का प्रकोप महसूस होने लगा है।

शिक्षा मंत्री की चेतावनी : निश्चित रंग का स्वेटर पहनने का दबाव नहीं डाल सकतीं स्कूलें

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात के शिक्षा राज्य मंत्री प्रफुल पानशेरिया ने स्कूलों में स्पष्ट चेतावनी दी है कि वे किसी भी बच्चे को निश्चित रंग का स्वेटर पहनने का दबाव ना डालें, वर्ना कड़ी कार्यवाही की जाएगी। दरअसल कई स्कूलों ने बच्चों को निश्चित रंग का स्वेटर पहनने का आदेश दिया है। स्कूलों के इस आदेश पर शिक्षा राज्यमंत्री प्रफुल पानशेरिया ने स्पष्ट किया है कि ठंड से राहत पाने के लिए बच्चे किसी भी रंग का स्वेटर पहन सकते हैं। राज्य की कोई भी स्कूल निश्चित रंग के स्वेटर को लेकर किसी भी बच्चे पर दबाव नहीं डाल सकती। अगर कोई स्कूल इस मामले में बच्चों के अभिभावकों पर दबाव डालती है तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। इस संदर्भ में प्रफुल पानसेरिया ने राज्य की सभी स्कूलों को परिपत्र भेजने का शिक्षा विभाग को आदेश दिया है। कोई भी स्कूल निश्चित रंग का स्वेटर पहनने का दबाव डालती है तो अभिभावक जिला शिक्षाधिकारी की कचहरी में शिकायत कर सकते हैं। शिक्षा मंत्री पानशेरिया ने कहा कि राज्य सरकार हमेशा अभिभावकों और बच्चों के साथ रही है। राज्य में ठंड से किसी बच्चे की मौत न हो, इसके लिए राज्य सरकार कई प्रयास कर रही है।

जूनागढ़ नगर निगम के आगामी चुनाव के लिए गुजरात कांग्रेस द्वारा पर्यवेक्षकों की नियुक्ति

अहमदाबाद (ईएमएस) जूनागढ़ नगर निगम के आगामी चुनाव को लेकर गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। जो स्थानीय कांग्रेस पार्टी संगठन के परामर्श से नगर निगम चुनाव प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। गुजरात प्रमुख द्वारा नियुक्त किए गए पर्यवेक्षकों में पूर्व वरिष्ठ विधायक पूंजा वंश, पूर्व सांसद वीरजी ठुम्मर और गुजरात कांग्रेस के नेता रहीम सोरा शामिल हैं।

चार दिन पहले हिट एन्ड रन की घटना का शिकार बाइक सवार की मौत

राजकोट (ईएमएस) शहर के यूनिवर्सिटी रोड पर चार दिन पहले देर रात हुई हिट एन्ड रन की घटना में गंभीर रूप से बाइक सवार की आज अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसे के बाद फरार कार चालक को पकड़ने के लिए पुलिस ने कोशिशें तेज कर दी हैं, हांलाकि अब तक वह कानून की गिरफ्त से बाहर है। जानकारी के मुताबिक राजकोट के यूनिवर्सिटी रोड पर गत 17 नवंबर की देर रात तेज रफ्तार कार ने मोटर साइकिल सवार को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया था। घटना को अंजाम देने के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। दूसरी ओर पिछले चार दिनों से अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहे बाइक सवार जयराजसिंह जाडेजा ने आज दम तोड़ दिया। स्थानीय पुलिस ने घटना के बाद से कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश तेज कर दी है।

मुख्यमंत्री ने चिंतन शिविर के आरंभ से पहले भगवान सोमनाथ महादेव के दर्शन किए

गिर सोमनाथ (ईएमएस) राज्य सरकार के 11वें चिंतन शिविर में सहभागी होने के लिए गुरुवार को सोमनाथ पहुँचे मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने द्वादश ज्योतिर्लिंगों में भगवान सोमनाथ महादेव के भावपूर्वक दर्शन कर सोमेश्वर पूजा की। सोमनाथ मंदिर में सोमनाथ ट्रस्ट के ट्रस्टी जे. डी. परमार तथा सचिव योगेन्द्र देसाई ने मुख्यमंत्री का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सोमनाथ महादेव के दर्शन किए तथा गंगा जल अभिषेक कर भगवान सोमनाथ महादेव को पूजा सामग्री एवं पुष्पमाला अर्पित की। भूपेन्द्र पटेल के साथ पर्यटन एवं वन मंत्री मुळुभाई बेरा ने भगवान सोमनाथ महादेव की सोमेश्वर पूजा कर धन्यता की अनुभूति की। मुख्यमंत्री ने सोमनाथ महादेव की पूजा कर राज्य के सभी नागरिकों की सुख-शांति तथा समृद्धि की प्रार्थना की। उन्होंने सोमनाथ ट्रस्ट के सूचना केन्द्र में श्रद्धालुओं के लिए प्रसारित होने वाली इनफॉर्मेटिव डॉक्यूमेंटरी का अनावरण भी किया। इस अवसर पर सोमनाथ ट्रस्ट के महाप्रबंधक विजयसिंह चावडा एवं उच्चाधिकारी भी उपस्थित रहे।

पीएलआई प्रोत्साहन, बुनियादी ढांचा निवेश और प्रीमियम खपत सभी क्षेत्रों और बाजार पूंजीकरण में भारत की वृद्धि को आगे बढ़ाएगी

वडोदरा, 21 नवंबर, 2024 - जैसे-जैसे भारत 2027 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी की ओर बढ़ रहा है, लार्ज, मिड और स्मॉल कैप सेगमेंट में निवेश के महत्वपूर्ण अवसर उभर रहे हैं। इस संभावना के जवाब में, ग्रो म्यूचुअल फंड ने हाल ही में वडोदरा में एक कार्यक्रम आयोजित किया, जहां ग्रो म्यूचुअल फंड टीम ने ग्रो मल्टीकैप फंड पेश किया। यह फंड सभी मार्केट कैप (लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप) में निवेशकों को एक्सपोज़र प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। कार्यक्रम ने म्यूचुअल फंड वितरकों को यह जानकारी प्रदान की कि कैसे मल्टी-कैप दृष्टिकोण भारत के उभरते आर्थिक क्षेत्र पर कब्जा करना चाहता है और उन्हें अपने ग्राहकों को बेहतर मार्गदर्शन करने के लिए सशक्त बनाया। सत्र के दौरान, ग्रो म्यूचुअल फंड टीम ने भारत की आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने वाले प्रमुख विकास अवसरों को प्रस्तुत किया। प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना से प्रेरित निर्यात विस्तार और मेक इन इंडिया जैसी पहल ने भारत को वैश्विक मंच पर एक प्रतिस्पर्धी देश बना दिया है। बुनियादी ढांचे का विकास एक अन्य कारक है जिसमें रु. 111 लाख करोड़ रुपये की राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (एनआईपी) से 2025 तक देश में कनेक्टिविटी और उत्पादकता में सुधार होने की संभावना है। इसके अलावा, रियल एस्टेट, ऑटोमोटिव और आभूषण जैसे क्षेत्रों में प्रीमियम वस्तुओं की बढ़ती मांग उच्च मूल्य की खपत के प्रति भारत के झुकाव को दर्शाती है। मल्टी-कैप दृष्टिकोण भारत की विविध विकास संभावनाओं का दोहन करने और विस्तार-आधारित विकास में तेजी लाने के लिए बड़ी, मध्य और छोटी कैप कंपनियों को एक्सपोज़र प्रदान करता है। ग्रो मल्टीकैप फंड निवेशकों को विभिन्न क्षेत्रों में अवसरों का लाभ उठाने और लंबी अवधि के धन सृजन का समर्थन करने के लिए उचित मूल्यांकन पर उच्च गुणवत्ता वाले शेयरों में निवेश करने में मदद करते हैं। ग्रो म्यूचुअल फंड के बिक्री और वितरण प्रमुख मनीष रंजन ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे म्यूचुअल फंड वितरक निवेशकों को यह समझने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं कि ग्रो मल्टीकैप फंड जैसे उत्पाद भारत की विकास क्षमता तक पहुंच कैसे प्रदान कर सकते हैं। भारत के कुल एयूएम में योगदान के मामले में वडोदरा वर्तमान में देश में 9वें स्थान पर है, जो कि रु. 68 लाख करोड़ संपत्ति आधार का लगभग 0.9 प्रतिशत है। इससे पता चलता है कि इन उभरते अवसरों के माध्यम से निवेशकों का मार्गदर्शन करने में वितरक कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ग्रो मल्टीकैप फंड का एनएफओ 26 नवंबर, 2024 को खुलेगा और 10 दिसंबर, 2024 तक उपलब्ध रहेगा। अपने ग्राहकों को यह अवसर देने में रुचि रखने वाले म्यूचुअल फंड वितरक अधिक जानकारी के लिए पार्टन me&@growwmf.in पर ग्रो म्यूचुअल फंड टीम से संपर्क कर सकते हैं।

भारत में OPPO Find X8 सीरीज़ लॉन्च हुईः अत्याधुनिक इनोवेशन के साथ फ्लैगशिप एक्सिलेंस पेश की गई

2024: आज OPPO India ने भारत में OPPO Find X8 सीरीज़ का लॉन्च किया। OPPO की इनोवेशन की विरासत को आगे बढ़ाते हुए Find X8 सीरीज़ में फ्लैगशिप मीडियाटेक डायमेंसिटी 9400 एदण, दो टेलीफोटो लेंस के साथ क्वाड-कैमरा सेट-अप, हाई डेंसिटी क्विक चार्जिंग सिलिकॉन कार्बाईड बैटरी, और ण्दत्दिध्ए 15 (एंड्रॉयड 15 पर आधारित) जैसी खूबियाँ हैं। इसमें IP68 और IP69 रेटेड टिकाऊ और लाईटवेट बिल्ड के साथ फोटोग्राफी और ईद डक्टिविटी में सुधार के लिए अनेक AI फीचर्स दिए गए हैं।

Pete Lau, SVP and Chief Product Officer, OPPO ने कहा, ''OPPO की Find X8 सीरीज़ ने स्मार्टफोन की सीमाएं बढ़ा दी हैं। Find X8 और Find X8 Pro में अत्याधुनिक इंजीनियरिंग और Pro फेशनल फोटोग्राफी के लिए अल्ट्रा-ग्रेड कैमरा, अल्ट्रा-लॉंग लाइफ बैटरी लाइफ और अल्ट्रा-पॉवरफुल परफॉरमेंस का बेहतरीन मिश्रण है, ताकि भारी कामों को भी आसानी से संभाला जा सके।

विश्व सीओपीडी दिवस 2024: मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने "अपने फेफड़ों के काम-काज को जानिए" की थीम के साथ सीओपीडी का शुरुआत में पता लगाने की हिमायत की

विश्व सीओपीडी दिवस 2024 के अवसर पर, मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल भी अब क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) के बारे में लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने की विश्व स्तरीय मुहिम का हिस्सा बन गया है, जो इस दिशा में अस्पताल के समर्पण को दर्शाता है। इस साल ठअपने फेफड़ों के काम-काज को जानिएठ की थीम के साथ विश्व सीओपीडी दिवस मनाया जा रहा है, जो लंग्स फंक्शन टेस्टिंग के ज़रिये शुरुआती चरण में इसकी पहचान की अहमियत को उजागर करता है। इसमें स्पाइरोमेट्री पर विशेष ध्यान दिया गया है, जो शुरुआत में ही सीओपीडी की पहचान के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक प्रमुख डायग्नोस्टिक टूल है। फेफड़ों की समय-समय पर जाँच के महत्व पर जोर देकर, अस्पताल लोगों को शुरुआती चरण में इसकी पहचान और सही समय पर इलाज के फायदों के बारे में जागरूक करना चाहता है, जो सीओपीडी को कारगर तरीके से नियंत्रित करने और मरीजों के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए बेहद जरूरी है।

सीओपीडी दुनिया भर में लोगों की मौत के तीन सबसे बड़े कारणों में से एक है, और वर्तमान में इससे पीड़ित लोगों की संख्या 300 मिलियन से अधिक है, जो पूरी दुनिया में स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ने वाले बोझ में महत्वपूर्ण योगदान देता है। लंबे समय तक तंबाकू के धुएं के संपर्क में रहना, घर के भीतर और बाहर वायु प्रदूषण तथा व्यावसायिक खतरे इसके जोखिम को बढ़ाने वाले कारकों में शामिल हैं। अक्सर इस बीमारी का तब तक पता नहीं चलता है जब तक कि लक्षण गंभीर न हो जाएँ। इसी वजह से, इस बीमारी के बारे में लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाना, स्पाइरोमेट्री जैसे लंग्स फंक्शन टेस्ट के जरिए शुरुआती चरण में पहचान करना, तथा मरीजों को सही जानकारी देना ही इस बीमारी को कारगर ढंग से नियंत्रित करने और हालत गंभीर होने की रोकथाम के लिए सबसे ज्यादा मायने रखते हैं।

डॉ. अमित पटेल, कन्सल्टेंट इंटरवेंशनल एंड ट्रांसप्लांट पल्मोनोलॉजिस्ट, और मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल में उनकी टीम साथ मिलकर लोगों को अपने फेफड़ों की सेहत का ध्यान रखने और समय पर डॉक्टर की सलाह लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। यह अस्पताल अव्वल दर्जे की उपचार सेवाओं की पेशकश के साथ-साथ ऐसे रिसर्च में भी अपना चाहिए देता है, जो सीओपीडी की समझ और उपचार को आगे बढ़ाते हैं। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल का पल्मोनरी विभाग साँस से संबंधित समस्याओं वाले मरीजों को सर्वांगीण देखभाल प्रदान करने के इरादे पर अटल है, जिसमें क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) का शुरुआत में पता लगाने और उसे नियंत्रित करने पर विशेष ध्यान दिया जाता है

डॉ. अमित पटेल, कन्सल्टेंट इंटरवेंशनल एंड ट्रांसप्लांट पल्मोनोलॉजिस्ट, मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल, कहते हैं, ''सीओपीडी लंबे समय तक कायम रहने वाली और चुपचाप फेफड़ों को नुकसान पहुँचाने वाली एक गंभीर बीमारी है, जिसका सालों तक पता नहीं चल पाता है और पीड़ित व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता पर काफी बुरा असर डालता है। ज्यादातर मरीज गंभीर लक्षणों का अनुभव होने के बाद ही हमारे पास आते हैं, जो उनके रोजमर्रा के कामकाज में रुकावट डालते हैं। इसी वजह से इस साल की थीम, 'अपने फेफड़ों के काम-काज को जानिए' इतनी महत्वपूर्ण है

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96